मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मुंबई
वर्षः 9 अंक 72
सोमवार, 21 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com
हर खबर निष्पक्षता के साथ

मलेशिया को पसंद आया ब्रह्मोस; अमेरिका को छोड़ भारत से रक्षा साझेदारी की तैयारी, चीन की बढ़ेगी टेंशन

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। भारत और मलेशिया के बीच रक्षा सहयोग को लेकर एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। मलेशिया ने भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित ब्रह्मोस हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली में रुचि दिखाई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी संभावित खरीद से मलेशिया अपनी रक्षा जरूरतों के लिए अमेरिका और उसके सहयोगी देशों पर निर्भरता कम कर सकता है। हालांकि अभी यह संभावित खरीद में रुचि है और इसे अंतिम रक्षा सौदा नहीं माना जा सकता। रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ कमलेश कुमार के अनुसार, भारत के साथ करीबी सहयोग मलेशिया को एक महत्वपूर्ण आर्थिक और सुरक्षा साझेदार उपलब्ध करा सकता है, बिना उसे किसी एक शक्ति खेमे में पूरी तरह जाने की जरूरत पड़े।

उनके मुताबिक, रक्षा साझेदारियों में विविधता लाना मलेशिया की रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखने का एक तरीका हो सकता है। ब्रह्मोस की मारक क्षमता और बहुउपयोगिता को देखते हुए इसकी संभावित तैनाती से दक्षिण चीन सागर में मलेशिया की प्रतिरोधक क्षमता को लेकर दूसरे देशों की धारणा प्रभावित हो सकती है। दक्षिण चीन सागर में चीन और मलेशिया के बीच कुछ समुद्री क्षेत्रों को लेकर दावे जुड़े हुए हैं। विशेषज्ञ ने चेतावनी दी कि मलेशिया को किसी संभावित खरीद के उद्देश्य को लेकर स्पष्ट संदेश देना होगा, ताकि इसे किसी खास देश को निशाना बनाने की तैयारी के रूप में न देखा जाए। मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे। मलेशिया ने इसमें साझेदार देश के रूप में भाग लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद ब्रह्मोस प्रणाली में मलेशिया की रुचि की बात सामने आई। इसके बाद अनवर इब्राहिम ने भारत की अपनी यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच पूंजी निवेश और आर्थिक संबंधों को बढ़ाने पर भी जोर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, मलेशिया के भारत के साथ आर्थिक संबंधों में अभी काफी विस्तार की गुंजाइश है। सनवे विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर येह किम लेंग ने कहा कि मलेशिया का भारत के साथ आर्थिक रिश्ता अभी अपेक्षाकृत कम विकसित है।

वर्ष 2025 में मलेशिया और भारत के बीच व्यापार करीब 79.3 अरब रिंगिट रहा। इसके मुकाबले अमेरिका और चीन के साथ मलेशिया का संयुक्त व्यापार 900 अरब रिंगिट से अधिक था। रणनीतिक सलाहकार एरिक लो के मुताबिक, मलेशिया-भारत संबंधों को मजबूत करने का उद्देश्य जरूरी नहीं कि चीन या अमेरिका से दूर जाना हो। इसके बजाय यह मलेशिया के लिए अपने आर्थिक और रणनीतिक विकल्पों का विस्तार करने का प्रयास हो सकता है।

भारत को अपनी संप्रभुता की रक्षा करनी चाहिए, अमेरिका के नए शुल्क को खारिज करना चाहिए : आनंद शर्मा

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने रविवार को कहा कि भारत को अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए अमेरिका के नये शुल्क को खारिज करना चाहिए और मुद्दों का समाधान होने तक अमेरिका के साथ "गैर-बराबरी" वाले व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने से बचना चाहिए। शर्मा ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित 'लिंडसे ग्राहम अधिनियम' का भारत की ऊर्जा सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और व्यापार पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह अधिनियम ट्रंप को तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने का अधिकार देता है, जो "गंभीर चिंता" का विषय है।

पूर्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि भारत रूसी कच्चे तेल का एक प्रमुख आयातक है और इस साल उसके कच्चे पेट्रोलियम आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी आधे से अधिक रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इजराइल के ईरान पर हमले के कारण दुनियाभर में तेल और गैस आपूर्ति में गंभीर व्यवधान पैदा हुआ तथा कीमतों में तेज वृद्धि हुई। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, "भारत सहित रणनीतिक साझेदार देशों को मनमाने तरीके से निशाना बनाया जाना अनुचित, अस्वीकार्य और निंदनीय है। यह चयनात्मक और भेदभावपूर्ण भी है, क्योंकि अमेरिका नाटो सदस्य देशों - तुर्की, हंगरी और स्लोवाकिया पर यह शुल्क नहीं लगाएगा, क्योंकि वे रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन का समर्थन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, "भारत को इस तरह के किसी भी शुल्क का दृढ़ता से विरोध करना चाहिए और साझेदार देशों के साथ व्यापार एवं आर्थिक सहयोग की अपनी संप्रभुता की रक्षा करनी चाहिए। जब तक शुल्क से जुड़े मुद्दों का पूरी तरह समाधान नहीं हो जाता, तब तक हमें अमेरिका के साथ गैर-बराबरी वाले व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करने चाहिए।" अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने कहा, "राष्ट्रपति ने शुक्रवार, 18 सितंबर 2026 को प्रतिनिधि सभा के विधेयक एच.आर. 5334 'लिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम, 2026' पर हस्ताक्षर कर इसे कानून का रूप दिया।

एनजीटी की भूमिका पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, जयराम रमेश बोले- मूल उद्देश्य फिर से याद करने की जरूरत

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर पिछले एक दशक में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को कमजोर करने का रविवार को आरोप लगाया। उन्होंने एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि इस साल के पहले छह महीनों में गुण-दोष के आधार पर सुनी गई किसी भी अपील में एनजीटी ने पर्यावरण या जनहित से जुड़े पक्ष के हक में फैसला नहीं दिया। पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कहा कि अब एनजीटी को उस 'एनजीटी कानून' की मूल भावना और उद्देश्य का फिर से पता लगाना चाहिए, जिसके तहत दो जून 2010 को उसका गठन हुआ था। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ₹साउथ एशियन रिपोर्टर फॉर एनवायरनमेंट लॉज (एसएआरईएल) की ओर से 19 सितंबर 2026 को प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि 2026 के पहले छह महीनों के दौरान राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने गुण-दोष के आधार पर सुनी गई किसी भी अपील में पर्यावरण या जनहित से जुड़े पक्ष के हक में फैसला नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में जनवरी से जून के बीच एनजीटी की पांच पीठों के समक्ष 119 अपील दायर की गईं और इनमें से 52 को प्रक्रियागत आधार पर खारिज कर दिया गया, जो अपने आप में सवाल खड़े करता है। रमेश ने कहा, गुण-दोष के आधार पर सुनी गई 67 अपील में से 51 उद्योगों, परियोजना समर्थकों या संपत्ति मालिकों की ओर से दायर की गई थीं। इनमें से 30 मामलों में, यानी करीब 60 फीसदी अपील में, उन्हें अनुकूल आदेश मिले। इसके विपरीत, पर्यावरण या जनहित से जुड़े पक्षों ने पर्यावरणीय न्याय की मांग को लेकर 16 अपील दायर कीं। इन सभी अपील को खारिज कर दिया गया और किसी को भी अनुकूल फैसला नहीं मिला।

एशियन गेम्स 2026: सेमीफाइनल में शेफाली का तूफानी शतक, लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी; नौ छक्के जड़कर रचा नया कीर्तिमान

निशिन, 20 सितम्बर। एशियन गेम्स 2026 के महिला क्रिकेट सेमीफाइनल में शेफाली वर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ तूफानी शतक लगाकर इतिहास रच दिया। निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में भारतीय पारी की आखिरी गेंद पर शेफाली ने 49 गेंदों में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। वह 49 गेंदों पर नौ छक्कों और तीन चौकों की मदद से 100 रन बनाकर नाबाद रहीं। इस शतक के साथ शेफाली एशियन गेम्स के क्रिकेट इतिहास में शतक लगाने वाली पहली बल्लेबाज बन गईं। उनके शतक की मदद से भारत ने 20 ओवर में चार विकेट पर 195 रन बनाए और बांग्लादेश के सामने 196 रन का लक्ष्य रखा।

शेफाली ने पारी के आखिरी गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक है। इसके साथ उन्होंने स्मृति मंधाना के भारतीय महिला क्रिकेट में सबसे तेज टी20 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में शतक लगाया था। अब शेफाली ने भी 49 गेंदों में शतक लगाकर इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। शेफाली ने पारी की शुरूआत स्मृति मंधाना के साथ की थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए छह ओवर में 72 रन जोड़े। मंधाना 19 गेंदों पर 37 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद जी कमलीनी तीन रन बनाकर पवेलियन लौटीं।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शेफाली का साथ दिया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत 33 गेंदों पर 40 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद ऋचा घोष दो रन बनाकर आउट हुईं, लेकिन शेफाली ने एक छोर संभाले रखा और आखिरी गेंद तक बल्लेबाजी करते हुए शतक पूरा किया।

शेफाली ने इस शतक के साथ 2026 में महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने रनों की संख्या 815 तक पहुंचा दी। वह इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वाड्र्ट 824 रन के साथ शीर्ष पर हैं। शेफाली ने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी शतकीय पारी में नौ छक्के लगाए। इसके साथ ही वह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। 2026 में उनके नाम 35 छक्के हो चुके हैं। बांग्लादेश के खिलाफ नौ छक्के लगाकर शेफाली ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। वह इस सूची में वेस्टइंडीज की डीएंड्रा डॉटिन और हेली मैथ्यूज के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

शेफाली वर्मा ने इस मैच में शतक जड़ा और उन्होंने स्मृति मंधाना के 2024 के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर का रिकॉर्ड आठ का है। मंधाना ने 2024 में आठ बार 50+ स्कोर किया था, जबकि शेफाली ने 2026 में आठ बार यह कारनामा किया है। मिताली राज ने 2016 में सात और हॉन्गकॉन्ग की नताशा माइल्स ने 2026 में सात 50+ स्कोर बनाए हैं। शेफाली के 49 गेंदों में शतक ने उन्हें स्मृति मंधाना के साथ एक खास रिकॉर्ड में खड़ा कर दिया है।

सूरत में एलपीजी टैंकर से अवैध रीफिलिंग करते 9 लोग गिरफ्तार, 84 सिलेंडर और वाहन जब्त

सूरत। गुजरात के सूरत में एक टैंकर से एलपीजी गैस सिलेंडर में अवैध रूप से गैस भरने के आरोप में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त शैफाली बरवाल ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर एक टीम ने शनिवार को भेसान-हजीरा रोड स्थित एक पार्किंग परिसर की जांच की, जहां एक टैंकर से 84 सिलेंडर में अवैध रूप से एलपीजी गैस भरी जा रही थी। प्राथमिकी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पवन सिंह गुज्जर (26), सुरेश बोरीवाला (35), महेश जांजवडिया (35), पंकज सिंह ठाकुर (26), देवा सिंह (28), सुभाष सिंह राजपूत (28), विशाल भाभोर (24), दीपक भाभोर (26) और लक्ष्मण सिंह रावत (53) के रूप में हुई है। प्राथमिकी के मुताबिक, मुख्य आरोपी पवन सिंह ने महेश से उक्त परिसर 12,000 रुपये मासिक किराये पर लिया था और एलपीजी गैस भरने के लिए अपने सहयोगियों को काम पर रखा था। प्राथमिकी के अनुसार, ह्यह्महेश परिसर में एक सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करता था और उसने मालिक को सूचित किए बिना यह जगह किराये पर दे दी थी। आरोपी लक्ष्मण सिंह गेल कंपनी का एलपीजी गैस टैंकर लेकर आया और उसे परिसर में खड़ा किया, जबकि पवन सिंह द्वारा काम पर रखे गए अन्य आरोपी टैंकर से एलपीजी गैस सिलेंडर में गैस भर रहे थे। प्राथमिकी में कहा गया कि आरोपियों ने ज्वलनशील पदार्थ के संबंध में लापरवाही बरती और आपराधिक गतिविधि में संलिप्त हुए। पुलिस ने मौके से 1.26 लाख रुपये मूल्य के 84 भरे हुए एलपीजी सिलेंडर, चार खाली सिलेंडर और गैस भरने वाली तीन पाइप के अलावा एलपीजी टैंकर, दो पिकअप/चार पहिया वाहन, मोबाइल फोन और 7,240 रुपये नकद जब्त किए।

दीये जलाने के लिए पैसे हैं, छात्रावास के लिए क्यों नहीं? राहुल गांधी ने मोदी सरकार से पूछा सवाल

इंदौर, 20 सितम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्राओं के लिए छात्रावास की कमी को लेकर सरकार से सवाल किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर बड़े स्तर पर हुए दीप जलाने के कार्यक्रम का जिक्र करते हुए पूछा कि सरकार के पास दीये जलाने के लिए पैसा है, तो छात्राओं के लिए छात्रावास बनाने के लिए क्यों नहीं।

राहुल गांधी ने शनिवार को इंदौर में हुए अपने छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान एक छात्रा से हुई बातचीत का जिक्र किया। छात्रा ने उच्च शिक्षा के लिए इंदौर आने के बाद सुरक्षित और कम खर्च में रहने की परेशानी के बारे में बताया था।

राहुल गांधी ने रविवार को एक्स पर लिखा, सरकार के पास दीये जलाने के लिए पैसे हैं, हमारे छात्रावास के लिए क्यों नहीं? उन्होंने बताया कि इंदौर में एक छात्रा ने उनसे यह सवाल पूछा था।

राहुल गांधी के मुताबिक, छात्रा पढ़ाई के लिए एक गांव से इंदौर आई थी, लेकिन छात्रावास की सुविधा नहीं होने के कारण उसे पीजी में रहना पड़ा। उन्होंने कहा, छात्रावास नहीं है, इसलिए उसे पीजी में रहना पड़ता है। सिर्फ सुरक्षित रहने के लिए लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं। हर महीने के किराये की चिंता और बेघर होने का डर, इन सबके बीच उसे पढ़ाई करनी पड़ती है।

राहुल गांधी ने कहा कि रहने की जगह नहीं मिलने के कारण कई लड़कियां अपनी पढ़ाई छोड़ देती हैं। सरकार के पास दिया जलाने के लिए पैसा है - हमारे हॉस्टल के लिए क्यों नहीं? यह सवाल कल इंदौर में एक छात्रा ने मुझसे पूछा। गाँव से पढ़ने शहर आई। हॉस्टल है नहीं, तो PG में रहना पड़ता है।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस–21 सितम्बर, 2026

युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?

-ललित गर्ग

21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है-शांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह,

हर दिन। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन रोजमर्रा के शांति-निमार्ताओं को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है।

दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व-शांति के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर, फरवरी 2026 से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच शुरू हुआ संघर्ष क्षेत्रीय तनाव को व्यापक बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी। इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं है; क्षेत्रीय देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, नागरिक समाज और प्रभावित समुदायों की आवाज भी शामिल होनी चाहिए।

दूसरा रास्ता है हथियारों की दौड़ के बजाय शांति में निवेश। दुनिया सैन्य क्षमता पर जितना खर्च करती है, उसका एक हिस्सा यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलवायु संरक्षण और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर लगाया जाए तो हिंसा की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। शांति केवल युद्ध समाप्त करने से नहीं आती; गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की कमी जैसे कारणों पर काम करना भी शांति-निर्माण का हिस्सा है। तीसरा महत्वपूर्ण उपाय है विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहुपक्षीय संस्थाएं अधिक प्रभावी, प्रतिनिधित्वपूर्ण और जवाबदेह बनें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 2026 के संदेश में कूटनीति, संवाद, बातचीत, शांति स्थापना, मानवाधिकार और सतत विकास में निवेश को स्थायी शांति के महत्वपूर्ण साधन बताया है।

भारत की शांति-दृष्टि भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पंचशील के सिद्धांत-एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, आक्रामकता से परहेज, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, समानता एवं पारस्परिक लाभ तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व-अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और सह-अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं। महावीर का अहिंसा संदेश, बुद्ध की करुणा, गांधी का सत्य-अहिंसा दर्शन और आधुनिक भारत की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की परंपरा दुनिया को यह स्मरण कराती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप विनाश नहीं, संयम और मानवीयता है। शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी भी नहीं है। घर में संवाद, विद्यालय में सहिष्णुता, समाज में भाईचारा और डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार भाषा-ये सब विश्वशांति की ही छोटी इकाइयां हैं। आज सोशल मीडिया पर नफरत, झूठी सूचनाएं और उकसाने वाली भाषा सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं। इसलिए डिजिटल शांति भी 21वीं सदी की एक बड़ी आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को विवाद का उत्तर हिंसा से नहीं, तर्क, संवाद और सहानुभूति से देना सिखाना होगा।

सफेद कबूतर शांति का प्रतीक जरूर है, लेकिन अब प्रतीकों से आगे बढ़कर शांति की ठोस संरचना बनाने का समय है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, नागरिकों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता, विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग-इन सभी को समान महत्व देना होगा। आज दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि किसी देश की सुरक्षा दूसरे देश की असुरक्षा पर स्थायी रूप से आधारित नहीं हो सकती। किसी एक क्षेत्र का युद्ध धीरे-धीरे ऊर्जा, व्यापार, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसलिए शांति अब किसी एक राष्ट्र का विषय नहीं, पूरी मानवता का साझा हित है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम केवल युद्ध समाप्त होने की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने-अपने स्तर पर शांति की संस्कृति विकसित करें। संयुक्त राष्ट्र का 2026 का संदेश भी इसी दिशा में है-शांति सम्मेलन कक्षों में ही नहीं, बल्कि विद्यालयों, मोहल्लों, परिवारों और समाजों में भी निर्मित होती है। मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली, अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है। युद्ध की राख से यदि शांति का संसार बनाना है तो हथियारों से अधिक विश्वास, शक्ति से अधिक संवाद और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निवेश करना होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का वास्तविक संदेश है-दुनिया को युद्ध से विराम ही नहीं, शांति को स्थायी जीवन-पद्धति बनाना होगा।

छात्रों में भाजपा का बढ़ता दबदबा: बिखर गया छद्म आंदोलनों का ताना-बाना?

अशोक भाटिया

भारत के विश्वविद्यालय केवल शैक्षणिक डिग्रियां बांटने वाले संस्थान नहीं रहे हैं, बल्कि वे देश की राजनीतिक चेतना को दिशा देने वाले वैचारिक ऊर्जा-केंद्र रहे हैं। देश की स्वतंत्रता के संघर्ष से लेकर आपातकाल के विरोध और सामाजिक न्याय के आंदोलनों तक, परिसरों की हलचल ने हमेशा राष्ट्रीय राजनीति का मार्ग प्रशस्त किया है। परंतु, हाल के वर्षों में भारतीय छात्र राजनीति के भीतर जो बुनियादी और ढांचागत बदलाव आया है, वह आधुनिक भारत के राजनीतिक इतिहास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अध्याय है। दशकों तक जिन विश्वविद्यालयों पर वाम-उदारवादी और पारंपरिक विपक्षी विचारधाराओं का एकाधिकार माना जाता था, आज वहां भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा और उसके छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का दबदबा न केवल संगठनात्मक रूप से स्थापित हुआ है, बल्कि विमर्श के धरातल पर भी उसने केंद्रीय स्थान प्राप्त कर लिया है।

इस बदलाव के सबसे जीवंत प्रतीक और साक्षी देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के परिसर बने हैं। दिल्ली की छात्र राजनीति का मिजाज हमेशा से देश की मुख्यधारा की सत्ता का लिटमस टेस्ट रहा है। हाल ही में संपन्न हुए दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के नतीजों ने इस वैचारिक बदलाव पर एक बार फिर मुहर लगा दी है, जहां अइश्ढ ने केंद्रीय पैनल के तीन प्रमुख पदों–अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव–पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है ?अध्यक्ष पद पर यश डाबास की यह शानदार विजय केवल एक छात्र संगठन की जीत नहीं है, बल्कि यह दिल्ली के उस व्यापक राजनीतिक बदलाव की गूंज है, जिसने परिसरों में वाम-उदारवादी और विपक्षी छात्र विमर्शों के ताने-बाने को पूरी तरह बिखेर कर रख दिया है। यह वैचारिक कायाकल्प और पुराने आंदोलनों का बिखराव चुनावी प्रभाव से कहीं आगे बढ़कर, भारतीय छात्र के मानस, उसकी प्राथमिकताओं और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति उसके दृष्टिकोण में आए गहरे बदलाव की कहानी कहता है।

दिल्ली की राजनीति और यहाँ के शिक्षण संस्थानों के बीच का अंतसंबंध हमेशा से बहुत गहरा रहा है। मुख्यधारा की राजनीति में राष्ट्रीय विमर्शों के केंद्र में आने के बाद, दिल्ली के युवा वोटर का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। कांग्रेस समर्थित NSUI और वामपंथी छात्र संगठनों (AISA-SFI) ने लंबे समय तक यह प्रचारित करने का प्रयास किया कि देश का युवा मौजूदा व्यवस्था से पूरी तरह विमुख हो चुका है। वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले विभिन्न विरोध प्रदर्शनों और तात्कालिक आंदोलनों के सहारे परिसरों में एक तीखा सरकार-विरोधी नैरेटिव खड़ा करने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन जब डूसू के ताजा चुनावी नतीजे सामने आए, तो विपक्ष का यह दावा पूरी तरह खोखला साबित हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय के 'जेन-जी' और जागरूक युवा छात्रों ने नकारात्मकता और अनवरत विरोध की राजनीति को पूरी तरह खारिज कर दिया। राष्ट्रीय राजधानी के इन युवा मतदाताओं ने 'राष्ट्र-प्रथम' और सकारात्मक राष्ट्रवाद के विचार पर अपना भारी भरोसा जताया है।

हिन्दी दैनिक उत्तरशक्ति मार्गदर्शन

राष्ट्रवादी विचारकों का मानना है कि इन आंदोलनों का बिखराव इसलिए हुआ क्योंकि इन्होंने अपनी 'साख' खो दी। छात्रों को यह समझने में देर नहीं लगी कि जिस आंदोलन को छात्र-कल्याण का नाम दिया जा रहा था, उसके पीछे देश की मुख्यधारा के कुछ खास राजनीतिक दलों का एजेंडा काम कर रहा था। जब छात्र आंदोलन स्वतःस्फूर्त न रहकर 'प्रायोजित' और राजनीतिक बैसाखियों पर टिके दिखने लगे, तो उनका नैतिक आधार समाप्त हो गया। कोई भी आंदोलन तब तक जीवित नहीं रह सकता जब तक आम छात्र उसे पवित्र और न्यायसंगत न मानें। जब आंदोलनों से देशहित का तत्व गायब हुआ, तो उनका ताना-बाना बिखरना तय था।

इस पूरे परिदृश्य में मुख्यधारा के विपक्षी दलों और उनके छात्र संगठनों की भूमिका भी आत्मघाती रही। विपक्ष लंबे समय तक दिशाहीनता का शिकार रहा। परिसरों में जब भी कोई स्थानीय या शैक्षणिक मुद्दा उठा–चाहे वह फीस वृद्धि का हो या प्रशासनिक विसंगतियों का–विपक्ष ने उसे तुरंत राष्ट्रीय स्तर पर सरकार को उखाड़ फेंकने के एक बड़े राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश की। परिणाम यह हुआ कि वास्तविक छात्र मुद्दे राजनीतिक नूराकुश्ती की भेंट चढ़ गए।

यदि हम केवल एक पक्ष को देखकर निष्कर्ष न निकालें। यदि वैचारिक और चुनावी स्तर पर भाजपा समर्थित संगठन परिसरों में अग्रिम मोर्चे पर दिखते हैं, तो इसका यह अर्थ कतई नहीं है कि युवा पूरी तरह संतुष्ट हैं या परिसरों में कोई समस्या नहीं है। राष्ट्रवाद की इस लहर के नीचे आर्थिक और प्रशासनिक मोर्चे पर युवाओं के भीतर एक गहरी, शांत लेकिन तीव्र अंतधार्रा भी बह रही है।हाल के वर्षों में देश ने राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक के गंभीर संकटों को देखा है। इन घटनाओं ने दिल्ली और देश भर के उन करोड़ों मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के छात्रों के भरोसे को तोड़ा है जो रात-दिन एक करके सरकारी नौकरियों या प्रतिष्ठित संस्थानों में दाखिले की तैयारी करते हैं। जब प्रशासनिक विफलताओं के कारण युवाओं का भविष्य अधर में लटकता है, तो उनका गुस्सा किसी विचारधारा या दल की सीमा को नहीं मानता। इसके साथ ही, दिल्ली जैसे महंगे शहर में शिक्षा की बढ़ती लागत, हॉस्टल की कमी और सम्मानजनक रोजगार का अभाव ऐसे ज्वलंत मुद्दे हैं जो सरकार के तमाम दावों के सामने एक बड़ा प्रश्नचिह्न बनकर खड़े रहते हैं।

गौरतलब है कि दिल्ली के परिसरों और छात्र राजनीति में भाजपा और उसकी वैचारिक सहयात्रियों का बढ़ता दबदबा कोई तात्कालिक या सतही घटना नहीं है। इसके पीछे एक दशक की निरंतर वैचारिक मेहनत, राष्ट्रवाद का एक ठोस-आकर्षक नैरेटिव और विपक्ष की रणनीतिक विफलताएं हैं। पुराने आंदोलनों का ताना-बाना इसलिए बिखरा क्योंकि वे समय की नब्ज को नहीं पहचान सके, उन्होंने राष्ट्रीय संवेदनाओं की अनदेखी की और वे आम छात्रों की व्यावहारिक प्राथमिकताओं से कट गए।

परंतु, सत्ता पक्ष के लिए भी यह समय आत्ममुग्ध होने का नहीं है। वैचारिक और सांस्कृतिक मुद्दे युवाओं को एक सीमा तक जोड़ सकते हैं, लेकिन अंततः युवा मन अपनी व्यावहारिक समस्याओं का ठोस समाधान चाहता है। दिल्ली विश्वविद्यालय से लेकर जेएनयू तक का छात्र अब यह देखना चाहेगा कि जो वादे चुनाव के समय किए गए थे, वे धरातल पर कितने उतरते हैं। पेपर लीक मुक्त परीक्षा प्रणाली, पारदर्शी चयन प्रक्रिया, गुणवत्तापूर्ण और सस्ती शिक्षा, और सबसे महत्वपूर्ण–सम्मानजनक रोजगार के अवसर; ये वे बुनियादी जरूरतें हैं जिन पर आने वाले समय में देश की छात्र राजनीति की वास्तविक दिशा तय होगी। दिल्ली के हालिया कैंपस नतीजों ने एक नई लकीर खींच दी है, अब यह देखना दिलचस्प होगा कि विपक्ष इस नई हकीकत से क्या सबक लेता है।

नटराज की आंखों से देखा कल, प्रयोगशालाओं में खोजा आने वाला भारत

-सुरेश गांधी

तमिलनाडु से लौटते समय सामान में कपड़े कम और तस्वीरें ज्यादा थीं। कैमरे में कैद तस्वीरों को एक-एक कर देखता हूं तो लगता है, यह यात्रा किसी एक शहर, किसी एक संस्थान या किसी एक आयोजन की यात्रा नहीं थी। यह भारत को अलग-अलग खिड़कियों से देखने की यात्रा थी। कहीं हजारों साल पुराना इतिहास अपनी धातु की प्रतिमाओं में सांस ले रहा था, तो कहीं प्रयोगशालाओं में भविष्य आकार ले रहा था। कहीं परंपरा घरों के आंगन में सुरक्षित थी, तो कहीं इस्पात और मशीनों के बीच भारत की नई रफ्तार तैयार हो रही थी। एक पत्रकार के लिए इससे बेहतर अनुभव और क्या हो सकता है कि वह केवल देखे नहीं, बल्कि सवाल पूछे, लोगों से मिले, व्यवस्था को समझे और फिर लौटकर उन अनुभवों को अपने पाठकों तक पहुंचाए।

नटराज के सामने ठहर गया समय

चेन्नई के सरकारी संग्रहालय में प्रवेश करते ही सबसे पहले इतिहास का भार महसूस हुआ। कांस्य प्रतिमाओं की दुनिया में नटराज की छवि सामने आई तो लगा जैसे पत्थर और धातु बोलने लगे हों। चोल काल की कला केवल मूर्तियां नहीं थी, वह अपने समय की सोच, शिल्प और आध्यात्मिक चेतना का दस्तावेज थी। विष्णु, त्रिपुरांतक, दक्षिणामूर्ति, पार्वती, गणेश, लिंगोद्भव, गरुड़, सुब्रह्मण्य और राम-सीता-लक्ष्मण-हनुमान की प्रतिमाओं को देखते हुए सवाल बार-बार लौटता रहा–जिस समाज ने इतनी महीन कला को जन्म दिया होगा, उसकी कल्पना कितनी विराट रही होगी? संग्रहालय के पुरातात्विक संग्रह और करोड़ों वर्ष पुराने पत्थर के लकड़ी में परिवर्तित अवशेष जैसे प्रदर्शन इतिहास को किताब के पन्नों से निकालकर आंखों के सामने खड़ा कर देते हैं।

दक्षिणाचित्र में घर नहीं, पीढ़ियां मिलीं

अगला पड़ाव दक्षिणाचित्र था। यहां पुराने घरों को देखकर पहली नजर में लगता है कि यह वास्तुकला का संग्रह है, लेकिन कुछ देर ठहरने पर समझ आता है कि ये मकान नहीं, जीवन की स्मृतियां हैं। आंगन, बरामदे, दरवाजे, लकड़ी का काम, रसोई और घरेलू उपयोग की वस्तुएं–हर चीज अपने पीछे किसी परिवार, किसी गांव और किसी बीते समय की आवाज छोड़ती दिखाई दी। समुद्र की ओर खुलता यह परिसर एक और बात समझाता है–भारत की विविधता केवल भाषाओं और खान-पान में नहीं, बल्कि घर बनाने, रहने और उत्सव मनाने के तरीके में भी है।

आईआईटी मद्रास में भविष्य को छूने का अनुभव

यात्रा का सबसे अलग अनुभव आईआईटी मद्रास रहा। यहां इतिहास को देखा नहीं, भविष्य को आकार लेते हुए महसूस किया। प्रयोगशालाओं और तकनीकी शोध की दुनिया में डायमंड, क्यूआर कोड, ब्रेन और नई तकनीकों से जुड़े प्रयोगों की जानकारी ने यह सोचने पर मजबूर किया कि आने वाला भारत केवल बड़ी इमारतों और तेज सड़कों से नहीं बनेगा। असली बदलाव उन प्रयोगशालाओं में तैयार होगा जहां वैज्ञानिक आज उन सवालों पर काम कर रहे हैं जिनके परिणाम आने वाले वर्षों में आम आदमी की जिंदगी बदल सकते हैं। एक पत्रकार के लिए यहां एक दूसरी जिम्मेदारी भी सामने आती है–प्रयोगशाला और समाज के बीच पुल बनने की। वैज्ञानिक की भाषा को आम पाठक की भाषा में पहुंचाना भी पत्रकारिता का महत्वपूर्ण दायित्व है।

पुडुचेरी में समुद्र और साधना का संवाद

पुडुचेरी पहुंचते ही यात्रा की गति बदल गई। समुद्र के किनारे की शांति, फ्रांसीसी स्थापत्य की छाप और श्री अरविंद आश्रम का वातावरण जैसे भीतर की ओर देखने को कहता है। अब तक यात्रा में इतिहास, संस्कृति और विज्ञान से संवाद हो रहा था। यहां सवाल कुछ अलग था–विकास की तेज दौड़ के बीच मनुष्य अपने भीतर के संतुलन को कैसे बचाए? श्री अरविंद की साधना और पुडुचेरी का शांत वातावरण इस यात्रा में एक विराम जैसा था। बाहर समुद्र लगातार गतिशील था और भीतर वातावरण स्थिर।

राजभवन की मुलाकात ने जोड़ा एक और पक्ष

पुडुचेरी के उपराज्यपाल के साथ मुलाकात ने यात्रा को प्रशासन और शासन के दृष्टिकोण से देखने का अवसर दिया। पत्रकार के लिए ऐसी मुलाकातें केवल औपचारिक संवाद नहीं होतीं। इनके जरिए किसी क्षेत्र को उसके सामाजिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक संदर्भ में समझने की एक और खिड़की खुलती है। यात्रा में ऐसी मुलाकातों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि तस्वीर का एक पक्ष जमीन पर दिखाई देता है और दूसरा पक्ष नीति और प्रशासन की मेज पर।

वंदेभारत के भीतर दिखी भारत की रफ्तार

इंटीग्रल कोच फैक्टरी पहुंचने पर कहानी फिर बदल गई। यहां इतिहास की जगह इंजीनियरिंग थी, प्रतिमाओं की जगह मशीनें थीं और संग्रहालय की शांति की जगह उत्पादन की गति। वंदेभारत जैसे आधुनिक रेल कोचों के निर्माण की प्रक्रिया को करीब से देखना इस बात का अनुभव था कि

छह दिन, कई पड़ाव और अनगिनत मुलाकातें... चेन्नई के संग्रहालय से दक्षिणाचित्र, आईआईटी मद्रास से पुडुचेरी, वंदेभारत की निर्माणशाला से चेन्नई पोर्ट और दूरदर्शन तक–तमिलनाडु की यात्रा पर्यटन से कहीं आगे बढ़कर भारत के अतीत, वर्तमान और भविष्य को एक साथ पढ़ने का अवसर बनी

रेल केवल पटरियों पर दौड़ने वाली मशीन नहीं है। इसके पीछे डिजाइन, तकनीक, इंजीनियरिंग, श्रम और लंबे समय की तैयारी जुड़ी होती है। एक तरफ संग्रहालय में सदियों पुराने शिल्प की बारीकी दिखाई दी थी, दूसरी ओर आधुनिक कारखाने में तकनीक की बारीकी। दोनों के बीच सदियां थीं, लेकिन एक समानता भी–भारत की निर्माण क्षमता।

चेन्नई पोर्ट : समुद्र के रास्ते चलता भारत

चेन्नई पोर्ट ने यात्रा को अर्थव्यवस्था के एक और बड़े आयाम से जोड़ा। जहां काशी में गंगा जीवन और आस्था की धुरी है, वहीं समुद्र चेन्नई के लिए व्यापार और वैश्विक संपर्क का विशाल द्वार है। जहाज, कंटेनर, माल ढुलाई और लॉजिस्टिक्स की पूरी श्रृंखला को देखकर समझ आता है कि बंदरगाह केवल जहाजों के आने-जाने की जगह नहीं, बल्कि हजारों कारोबारों और लाखों लोगों की आर्थिक गतिविधियों से जुड़ा तंत्र है। गंगा के घाटों से समुद्र के किनारे तक भारत की तस्वीर बदलती है, लेकिन दोनों जगह पानी ही जीवन को गति देता है–एक जगह सांस्कृतिक अर्थों में, दूसरी जगह आर्थिक अर्थों में।

दूरदर्शन से डिजिटल दौर तक

चेन्नई में दूरदर्शन का पड़ाव पत्रकार होने के नाते विशेष अनुभव था। जिस माध्यम ने दशकों तक घर-घर खबर और कार्यक्रम पहुंचाए, वह अब ऐसे समय में खड़ा है जब मोबाइल स्क्रीन ने सूचना की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। माध्यम बदल गया है, लेकिन पत्रकारिता की बुनियादी जिम्मेदारी नहीं बदली–तथ्य की पुष्टि, विश्वसनीय सूचना और समाज तक सही बात पहुंचाना। यात्रा के दौरान कैमरा कई बार सामने था, लेकिन पत्रकार की नजर कैमरे के पीछे थी।

एक शाम काशी-तमिलनाडु के रिश्तों के नाम

चेन्नई में आयोजित ह्यआशीर्वाद का दीया कार्यक्रम ने यात्रा को सांस्कृतिक संवाद से जोड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में काशी और तमिलनाडु के सांस्कृतिक रिश्तों की चर्चा हुई। यह संयोग भी कम दिलचस्प नहीं था कि जिस यात्रा की शुरूआत तमिलनाडु की विरासत को देखने से हुई थी, उसके अंतिम पड़ावों में काशी से उसका रिश्ता सामने आ गया। डॉ. एल. मुरुगन से मुलाकात भी इसी क्रम की आत्मीय कड़ी बनी। औपचारिकता से आगे बढ़कर बातचीत में यात्रा के अनुभव, काशी-तमिलनाडु के रिश्ते और पत्रकारों के इस दौरे की स्मृतियां जुड़ती चली गईं।

तस्वीरें बचीं, लेकिन नजर बदल गई

छह दिनों के बाद जब चेन्नई से वापसी हुई तो मोबाइल और कैमरे में दर्ज तस्वीरें सिर्फ स्मृति नहीं थीं। वे रिपोर्टिंग की सामग्री थीं। कहीं मेरी मौजूदगी सर्वेक्षण करती दिखाई देती है, कहीं किसी अधिकारी या विशेषज्ञ से बातचीत, कहीं तकनीक को करीब से समझने की कोशिश और कहीं विरासत के सामने ठहरी नजर। इसीलिए इस पूरी यात्रा की अलग-अलग तस्वीरों को अखबार में दस छोटे-छोटे फ्रेमों में बांटने के बजाय एक बड़े मिक्सिंग विजुअल में समेटना ज्यादा प्रभावी होगा। एक तस्वीर में पत्रकार, उसके आसपास यात्रा के अलग-अलग पड़ाव–नटराज, दक्षिणाचित्र, आईआईटी मद्रास, पुडुचेरी, वंदेभारत, चेन्नई पोर्ट, दूरदर्शन और मुलाकातों के दृश्य। यह सिर्फ फोटो नहीं होगी, पूरी यात्रा का दृश्य-सार होगी। और शायद यही इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि भी है। तमिलनाडु में मैंने केवल मंदिर, संग्रहालय, बंदरगाह, कारखाने या प्रयोगशालाएं नहीं देखीं। मैंने एक ही भूगोल में भारत के कई चेहरे देखे–अतीत का भारत, परंपरा का भारत, साधना का भारत, विज्ञान का भारत, तकनीक का भारत, उद्योग का भारत और संवाद का भारत। काशी लौटकर अब तस्वीरें सामने रखता हूं तो लगता है–मैं तमिलनाडु घूमकर नहीं लौटा। मैं भारत को थोड़ा और समझकर काशी लौटा हूं।

तो इसलिये अमेरिका को तेल उत्पादक देशों में अपनी पिट्ठू सरकार चाहिये?

-तनवीर जाफरी

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ़्लोरेस को अमेरिकी सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिसॉल्व नामक एक सैन्य अभियान के दौरान गत 3 जनवरी, 2026 को वेनेजुएला की राजधानी काराकास से हिरासत में ले लिया गया था। इस समय वे न्यूयॉर्क की एक फेडरल जेल में हिरासत में हैं। अमेरिकी न्याय विभाग का आरोप है कि मादुरो ने कोलंबिया के विद्रोही समूह एफ ए आर सी और लैटिन अमेरिका के बड़े ड्रग कार्टेल्स के साथ मिलकर पिछले दो दशकों से अमेरिका में भारी मात्रा में कोकीन भेजने की साजिश रची। अमेरिकी पक्ष का कहना है कि वेनेजुएला के शीर्ष अधिकारियों ने पैसों और सत्ता के लालच में ड्रग तस्करों को सुरक्षा प्रदान की। उधर अंतरराष्ट्रीय खुफिया डेटा और खुद अमेरिकी एजेंसियों की कुछ रिपोर्ट्स दशार्ती हैं कि वेनेजुएला दुनिया का मुख्य ड्रग उत्पादक देश नहीं है। इसके अलावा, ट्रम्प प्रशासन ने मादुरो को 'ट्रेन दे एरागुआ' जैसे आपराधिक गिरोहों से भी जोड़ने की कोशिश की, लेकिन अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को इसके भी पुख़्ता सबूत नहीं मिले। निकोलस मादुरो ने भी अमेरिकी अदालत में खुद को निर्दोष बताते हुए इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। रूस और चीन जैसे मादुरो समर्थक कई देशों का मानना है कि यह आरोप पूरी तरह से राजनीतिक हथियार और एक बहाना हैं। दरअसल अमेरिका का असली मकसद वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन कर अपनी पिट्ठू सरकार बनाकर वहां के दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों पर अमेरिकी कंपनियों का नियंत्रण स्थापित करना था। खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मादुरो की गिरफ़्तारी के बाद यह बयान भी दिया था कि अमेरिका अब वेनेजुएला को चलाएगा और तेल संसाधनों पर ध्यान देगा। अमेरिकी अदालत में मादुरो का मुकदमा भी 1 जून, 2027 से शुरू होने जा रहा है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अमेरिका ने गंभीर आपराधिक और ड्रग्स के आरोपों को आधार बनाकर ही इस बड़े सैन्य हस्तक्षेप और वेनेजुएला के राजनीतिक तख़्तापलट को अंजाम दिया। इसके बाद इसी वर्ष 2026 में अमेरिका ने वेनेजुएला के कच्चे तेल के शिपमेंट और वित्तीय संपत्तियों पर सीधे तौर पर नियंत्रण हासिल किया है। जनवरी से अब तक अमेरिका ने स्किपर, मैरिनेरा, और बर्था जैसे वेनेजुएला से जुड़े कई तेल टैंकरों को समुद्र में प्रतिबंधित कर जब्त किया जिनमें से अकेले 'बर्था' टैंकर में 19 लाख बैरल और 'मैरिनेरा' आदि से करीब 20 लाख बैरल तेल जब्त किया गया। एक वित्तीय विश्लेषण के अनुसार, अमेरिका ने वेनेजुएला के तेल निर्यात पर नियंत्रण करके इस साल 13 अरब डॉलर से अधिक की नकद राशि अमेरिकी खातों में जमा की है, जिसे अमेरिकी ट्रेजरी विभाग द्वारा मॉनिटर किया जा रहा है। गोया अमेरिका ने अब तक भौतिक रूप से करोड़ों बैरल निकाला हुआ तेल और 13 अरब डॉलर का कैश राजस्व अपने नियंत्रण में लिया है और कागजी व रणनीतिक तौर पर वेनेजुएला की जमीन के नीचे मौजूद 65 अरब बैरल के विशाल तेल भंडार के संचालन और दोहन का कानूनी अधिकार हासिल कर लिया है। गौरतलब है कि वेनेजुएला के पास लगभग 303 अरब बैरल का दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित कच्चा तेल भंडार है। और अमेरिका ने इसके लगभग पांचवें हिस्से पर नियंत्रण पा लिया है। यह 65 अरब बैरल का आंकड़ा कितना विशाल है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह अमेरिका के 46 अरब बैरल के अपने कुल तेल भंडारसे भी कहीं अधिक है। और यदि इसे भारत के संदर्भ में देखें तो यह भारत की लगभग 40 वर्षों के तेल आयात के बराबर है।

ठीक इसी तर्ज पर अमेरिका ईरान में भी तेल की लूट करना चाह रहा है। ईरान के पास लगभग 208 से 209 अरब बैरल का प्रमाणित तेल भंडार है। इस भंडार के साथ ईरान वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर आता है। इसी तेल भंडार पर कब्जा जमाने के लिये अमेरिका कभी ईरान में सत्ता विरोधी विद्रोह का फसाना गढ़ता है तो कभी वर्तमान सत्ता को आतंकवादियों को बढ़ावा देने वाली सत्ता बताता है। और जब इन चालों व साजिशों से भी बात नहीं बनती तो इस्राईल व अमेरिका मिलकर ईरान पर अकारण आक्रमण कर देते हैं। परन्तु ईरानी हुक्मरान पिछले 4 दशकों से अमेरिका की इस चाल से भली भांति वाकिफ हैं कि वह ईरान में एक बार फिर से वहां के पूर्व शासक रजा शाह पहेलवी की ही तरह अपनी कठपुतली सरकार बनाकर बिठाना चाहता है। ठीक उसी तरह जैसे सऊदी अरब सहित अन्य कई खाड़ी देशों में उसके इशारों पर चलने वाले शासक सत्तासीन हैं और लगभग वे सभी अमेरिका को न केवल उसकी मर्जी के अनुसार उसे तेल निर्यात कर रहे हैं बल्कि अपने अपने देशों की सुरक्षा के नाम पर अमेरिका से हथियार भी खरीदते रहते हैं। इतना ही नहीं बल्कि ऐसे देशों को अमेरिका ने उनकी सुरक्षा का भी भरोसा दिलाया है। जिस भरोसे को ईरान ने पिछले दिनों उस समय चकनाचूर कर के रख दिया जबकि ईरान ने पिछले दिनों हुये युद्ध के दौरान मध्य एशियाई देशों में मौजूद कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को ही तबाह कर डाला।

मध्य पूर्व के खाड़ी देशों में सऊदी अरब पारंपरिक रूप से अमेरिका को तेल निर्यात करने वाला सबसे प्रमुख मुस्लिम देश है।अमेरिकी रिफाइनरियों के लिए सऊदी अरब भारी कच्चे तेल का एक महत्वपूर्ण स्रोत बना हुआ है। सऊदी अरब के बाद खाड़ी देशों में इराक, अमेरिका को कच्चा तेल निर्यात करने वाला दूसरा सबसे बड़ा मुस्लिम देश है। कुवैत भी अमेरिकी रिफाइनरियों को अपनी तेल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगातार कच्चे तेल की आपूर्ति करता है। संयुक्त अरब अमीरात अथवा यूएई भी समय-समय पर अमेरिकी बाजारों में कच्चा तेल और परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद भेजता है। इसके अलावा अफ़्रीकी मुस्लिम बहुल देशों में लीबिया से भी अमेरिका हाल के वर्षों में अच्छी मात्रा में कच्चा तेल आयात करता रहा है। इसी तरह नाइजीरिया का 'स्वीट क्रूड' यानी कम सल्फर वाला तेल अमेरिकी बाजार में निर्यात किया जाता है। उत्तरी अफ़्रीकी देश अल्जीरिया भी अमेरिका को कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करता है। और इस तरह वैश्विक स्तर पर तेल दोहन के परिणाम स्वरूप पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश बन चुका है। इस वजह से मध्य पूर्व और ओपेक देशों से अमेरिका की तेल निर्भरता काफी घट गई है। अमेरिका अपनी जरूरत का सबसे बड़ा हिस्सा अब ओपेक देशों के बजाय अपने पड़ोसी देश कनाडा और मैक्सिको से आयात करता है। हाँ कुछ अमेरिकी कानून और प्रतिबंधों की वजह से और खासकर अमेरिका की कठपुतली सत्ता न होने की वजह से भी ईरान जैसे देश से अमेरिका कच्चा तेल आयात नहीं कर पाता। इसलिये अमेरिका को तेल उत्पादक देशों में अपनी पिट्ठू सरकार चाहिये ताकि अपनी मर्जी व अपनी सुविधानुसार मनमाने तरीके से विश्व के तेल भंडारों पर अपना नियंत्रण कायम किया जा सके?

जय माता दी गणेश उत्सव मंडल द्वारा धूमधाम से मनाया जा रहा गणेशोत्सव

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत अवध नगर स्थित अलशिफा गली में जय माता दी गणेश उत्सव मंडल की ओर से भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित कर गणेशोत्सव धूमधाम एवं भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। उत्सव के दौरान मंडल की ओर से विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर शनिवार 19 सितंबर 2026 की शाम मंडल की ओर से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक दिनेश्वर कुशवाहा, रविन्द्र विश्वकर्मा एवं अर्चना सिंह ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। भजनों पर उपस्थित श्रद्धालु देर रात तक झूमते नजर आए। इस अवसर पर सरावली ग्राम पंचायत के सरपंच आनंद धोड़ी, ग्राम पंचायत सदस्य वसीम चौधरी, धीरज सिंह, सोनू पाण्डेय, पत्रकार प्रमोद तिवारी, ओम प्रकाश द्विवेदी एवं अजीत सिंह सहित अनेक गणमान्य लोगों ने गणपति बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंडल की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्य लोगों का भगवा वस्त्र से स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस दौरान जय माता दी गणेश उत्सव मंडल के बंसी गुप्ता, मायाराम गुप्ता सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सदस्य उपस्थित रहे।गणेशोत्सव के अवसर पर मंडल परिसर में श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिल रही है।

गौरी गणपति विसर्जन के दौरान नागरी संरक्षण दल ने संभाला मोर्चा

पालघर(उत्तरशक्ति)। उपनियंत्रक नागरी संरक्षण दल के.आर. कुरकुटे के आदेशानुसार पालघर में गौरी-गणपति विसर्जन के अवसर पर गणेश कुंड में नागरिक सुरक्षा दल की ओर से प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित किया गया। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं आकस्मिक परिस्थितियों में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गई थी।

प्राथमिक उपचार केंद्र पर नागरी संरक्षण दल के कुल 12 स्वयंसेवकों ने अपनी जिम्मेदारी पूरी तत्परता, अनुशासन और व्यवस्थित तरीके से निभाई। स्वयंसेवकों ने विसर्जन के दौरान आवश्यक प्राथमिक उपचार एवं नागरिकों की सहायता के कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा किया। इस अवसर पर पालघर के डॉ. सी. ओ. जाधव, पालघर नगर परिषद के अधिकारी, उपविभागीय पुलिस अधिकारी, पुलिस निरीक्षक तथा पीएसआई प्राजक्ता पाटील, पीएसआई संकेत पगडे, श्री पवार सहित अन्य मान्यवर उपस्थित रहे। नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों द्वारा विसर्जन के दौरान किये गये कार्यों की उपस्थित अधिकारियों एवं मान्यवरों ने सराहना की। उन्होंने नागरी संरक्षण दल की तत्परता, सेवा भावना एवं अनुशासित कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए लेखी रूप में भी प्रशंसा व्यक्त की। इस अवसर पर विभागीय क्षेत्ररक्षक निलेश सुदाम वझे सहित नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों ने अपनी जिम्मेदारी निभाई। नागरी संरक्षण दल की इस पहल से गौरी-गणपति विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान मिला।

TATA.CARS ने टाटा सिएरा लीजेंड सीरीज लॉन्च की

मुंबई। भारत की अग्रणी एसयूवी निमार्ता कंपनी TATA.CARS ने आज टाटा सिएरा लीजेंड सीरीज लॉन्च करने का ऐलान किया। यह पांच वेरिएंट वाली नई रेंज है, जो ज्यादा ग्राहकों तक सिएरा का बेहतर और लग्जरी अनुभव पहुंचाती है। 11.99 लाख रुपये से शुरू होने वाली लीजेंड सीरीज में सिएरा के 'लाइफस्पेस ऑन द गो' फिलॉसफी को और समृद्ध बनाया गया है। इसमें ज्यादा सोफिस्टिकेटेड केबिन अनुभव, उन्नत कम्फर्ट और मांग में रहने वाले कन्वीनियंस फीचर दिए गए हैं। इस तरह यह सिएरा के प्रीमियम मिड-एसयूवी प्रस्ताव को और मजबूत करती है। सिएरा की पहचान बन चुके आइकॉनिक डिजाइन, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और दमदार एसयूवी परफॉर्मेंस को इसमें बरकरार रखा गया है।

लीजेंड सीरीज के तहत Pure L, सिएरा के प्रीमियम केबिन अनुभव को पहले से ज्यादा किफायती बनाता है। 13.79 लाख रुपये की कीमत वाले इस वेरिएंट में 17-इंच अलॉय व्हील दिए गए हैं, जो सिएरा के खास डिजाइन को उभारते हैं। इसके साथ प्रीमियम लेदरेट इंटीरियर और 26.03 सेमी के एचडी इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ 8-स्पीकर ऑडियो सिस्टम भी दिया गया है, जिससे केबिन का अनुभव और बेहतर बनता है। सिर्फ 50,000 रुपये ज्यादा देने पर Pure L (O) में सेगमेंट का सबसे बड़ा वॉयस-असिस्टेड पैनारोमैक्स सनरूफ भी जुड़ जाता है, जो केबिन में ओपन-एयर लग्जरी का अनुभव देता है। जो ग्राहक केबिन के अंदर और भी ज्यादा इंडलजेंट अनुभव चाहते हैं, उनके लिए 14.99 लाख रुपये का Pure+ L वेरिएंट है। इसमें वेंटिलेटेड फ्रंट सीट, थाई सपोर्ट एक्सटेंडर के साथ 6-वे पावर्ड ड्राइवर सीट और बॉस मोड दिया गया है। ये फीचर सवारों के लिए आराम और सुविधा दोनों को एक कदम आगे ले जाते हैं। इन नए फीचरों के अलावा, हर सिएरा में वे सारी खूबियां बरकरार हैं जिन्होंने इसे प्रीमियम मिड-एसयूवी सेगमेंट की सबसे दमदार पेशकशों में से एक बनाया है। 5-स्टार भारत एनसीएपी रेटेड बॉडी स्ट्रक्चर पर बनी इस गाड़ी में स्टैंडर्ड रूप से 6 एयरबैग, 20 फंक्शन वाला ईएसपी और ऑल-व्हील डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। ग्राहक तीन पावरट्रेन विकल्पों में से चुन सकते हैं: 1.5 लीटर हाइपेरियन TGDi पेट्रोल, 1.5 लीटर रेवोट्रॉन पेट्रोल और 1.5 लीटर क्रायोजेट डीजल, जो मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन में उपलब्ध हैं।

वृक्षमित्र मंडल पास्थल आत्मशक्ती नगरचा राजा के गणेशोत्सव में हलदी-कुंकू कार्यक्रम आयोजित

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के साथ समाजसेवा के लिए भी आगे आने का आहवान

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। वृक्षमित्र मंडल, पास्थल आत्मशक्ती नगरचा राजा मंडल की ओर से गणेशोत्सव के अवसर पर महिलाओं एवं बच्चों के लिए विभिन्न सामाजिक और जनजागृति कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार 18 सितंबर को महिलाओं के लिए विशेष हलदी-कुंकू कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महिलाओं को आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता एवं नागरी संरक्षण दल के माध्यम से समाजसेवा के विषय में मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यक्रम में मेघना संपत वैराल को महिला आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण के विषय पर मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने महिलाओं को अपनी क्षमताओं और शक्तियों को पहचानने का आहवान करते हुए कहा कि महिलाएं परिवार के साथ-साथ गांव, समाज, राज्य और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। आज महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। ऐसे में महिलाओं को अपनी क्षमता पहचानकर नए कौशल एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने की आवश्यकता है। उन्होंने महाराष्ट्र उद्योजकता विकास केंद्र (MCED) तथा जिला उद्योग केंद्र के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न निःशुल्क प्रशिक्षण

कार्यक्रमों की जानकारी दी। साथ ही महिलाओं को विभिन्न शासकीय ऋण योजनाओं, सब्सिडी आधारित कर्ज योजनाओं एवं स्वरोजगार के अवसरों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण लेकर महिलाएं स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकती हैं और अन्य महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध कराकर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती हैं इस अवसर पर महिलाओं को नागरी संरक्षण दल (Civil Defence) के बारे में भी जानकारी दी गई। संकट के समय स्वयं की सुरक्षा करने के साथ परिवार एवं समाज के अन्य लोगों की सहायता कैसे की जा सकती है, इस संबंध में मार्गदर्शन किया गया। महिलाओं से नागरी संरक्षण दल में शामिल होकर समाजसेवा एवं देशसेवा में योगदान देने का आह्वान किया गया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति सीमा पर जाकर देश की सेवा नहीं कर सकता, लेकिन नागरिकों के बीच रहकर संकट के समय उनकी सहायता करना भी देशसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम में नागरी संरक्षण दल की स्वयंसेवक सिमरन संजय संखे ने भी अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने बताया कि नागरी संरक्षण दल से जुड़ने के बाद उनके आत्मविश्वास में किस प्रकार वृद्धि हुई तथा प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें क्या-क्या शिकने को मिला। संकट की परिस्थितियों में स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों की सहायता किस प्रकार की जा सकती है, इसकी जानकारी भी उन्होंने महिलाओं को दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं एवं नागरिकों ने इस जानकारी का लाभ उठाते हुए आत्मनिर्भरता तथा नागरी संरक्षण से जुड़े प्रशिक्षण का सदुपयोग करने का आश्वासन दिया। महिलाओं ने उपयोगी एवं प्रेरणादायी मार्गदर्शन के लिए आयोजकों एवं वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

मरीन ड्राइव से हाजी अली जा रही बीएमडब्ल्यू पुल से नीचे गिरी, 3 की मौत

मुंबई। मुंबई में रविवार तड़के कोस्टल रोड पर एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू पुल से नीचे गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। कार में कुल चार लोग सवार थे। हादसा 20 सितंबर 2026 को सुबह करीब 5:20 बजे लाला कॉलेज के सामने, लोटस जेट्टी के पास हुआ। काली बीएमडब्ल्यू मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी। इसी दौरान कार तेज रफ्तार के कारण हादसे का शिकार हो गई और सड़क पर मौजूद लोगों को भी टक्कर मार दी।

हादसे के बाद घायलों को तुरंत नायर अस्पताल ले जाया गया। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, हादसे में 20 वर्षीय एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कराया गया है। वहीं, 21 वर्षीय शनाय गज्जल, 17 वर्षीय धिर्या सेठ और करीब 25 वर्षीय एक अज्ञात युवक को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया गया। शुरूआती जानकारी में बीएमडब्ल्यू की तेज रफ्तार को हादसे की वजह बताया जा रहा है। हालांकि, हादसा किस वजह से हुआ, इसकी पूरी जानकारी जांच के बाद ही सामने आएगी।

पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे से जुड़े दूसरे तथ्यों की जानकारी जुटा रही है। फिलहाल मृतकों और घायल की पहचान से जुड़ी जानकारी भी जुटाई जा रही है। हादसे के बाद कोस्टल रोड पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात संभाले और हादसे से जुड़ी जानकारी जुटाई।

कल्याण में मज्जू भाई की फिर दहशत

केबल व्यवसायी की छाती पर पिस्टल तानकर 10 हजार रुपये हफ्ते की मांग, सराईत आरोपी गिरफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम में केबल व्यवसायी से हर महीने 10 हजार रुपये हफ्ते की मांग करते हुए उसकी छाती पर पिस्टल तानकर जान से मारने की धमकी देने वाले सराईत आरोपी मजहर उर्फ मज्जू फिरोज शेख को महात्मा फुले पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से देशी पिस्टल और मैगजीन बरामद की है। पुलिस के अनुसार, पिछले दस वर्षों में आरोपी के खिलाफ 17 गंभीर मामले दर्ज हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, 15 सितंबर की तड़के मुरारबाग इलाके में केबल व्यवसायी कार्तिक कोटक अपने साथियों के साथ खड़े थे। इसी दौरान आरोपी मजहर उर्फ मज्जू शेख वहां पहुंचा और कथित तौर पर कार्तिक कोटक से हर महीने 10 हजार रुपये हफ्ता देने की मांग की।

शिकायत के मुताबिक, हफ्ता देने से इनकार करने पर आरोपी ने कमर में रखी पिस्टल निकालकर कार्तिक कोटक की छाती पर तान दी। साथ ही उनके साथ मौजूद तेजस गालगे और केतन पवार को भी पिस्टल दिखाकर धमकाने का आरोप है। आरोपी ने कथित तौर पर धमकी दी कि उसके इलाके में व्यवसाय करना है तो 10 हजार रुपये हफ्ता देना होगा, अन्यथा कल्याण में कारोबार नहीं करने दिया जाएगा।

घटना के बाद महात्मा फुले पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से देशी पिस्टल व मैगजीन जब्त की।

पुलिस के अनुसार, मजहर उर्फ मज्जू शेख के खिलाफ पिछले दस वर्षों में वसूली, छेड़छाड़, सरकारी कर्मचारियों पर हमला, मारपीट तथा हथियार के जरिए दहशत फैलाने जैसे 17 गंभीर मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ एमपीडीए के तहत कार्रवाई के साथ दो बार तड़ीपारी की कार्रवाई भी की जा चुकी है। बताया जा रहा है कि करीब तीन महीने पहले जेल से बाहर आने के बाद आरोपी ने कथित तौर पर दोबारा इलाके में दहशत फैलाने की कोशिश की। फिलहाल महात्मा फुले पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

साधुमार्गी जैन संघ अध्यक्ष पारसमल चपलोत परिवार के तप की अनुमोदना

भायंदर (उत्तरशक्ति)। शहर के सुप्रसिद्ध उद्योगपति, राजस्थान सरकार द्वारा भामाशाह रत्न से अलंकृत वरिष्ठ समाजसेवी वीर वसुंधरा मेवाड़ की माटी में जन्मे लोगों की गुरु भक्ति सेवा निष्ठा संपूर्ण देश में एक उदाहरण बनकर औरों को भी प्रेरित करती है, ऐसे ही परम गुरु भक्त समाज सेवा और मानव सेवा के क्षेत्र में मिसाल कायम करने वाले दानवीर भामाशाह पारसमल चपलोत, जो यथा नाम तथा गुण वह पारस पत्थर है, जिसका स्पर्श मात्र जिस वस्तु से हो जाए वह सोना बन जाती है, ठीक यही सुलक्षण इन पारसमल चपलोत के कर कमलों में भी विद्यमान है। किसी भी विद्या का क्षेत्र हो यदि पारसमल उस विद्या की ओर देख भर ले तो उस क्षेत्र की विधाओं की भाग्य करवटें लेने लगती है। अमूमन तौर पर यह सत्य भी

स्वीकार योग्य है कि पारसमल चपलोत ऐसा सत्य मानव रत्न है, जिसके ह्रदय में मानवता के गुणों का संपूर्ण कोष समाहित है। और इसी के चलते इनको भारत सरकार, दिल्ली द्वारा अटल सम्मान से सम्मानित किया गया एवं अभी आपके परिवार में आप श्री ने अठ्ठाई तप आपकी धर्मपत्नी श्रीमती स्नेहाजी ने 11 उपवास और आपकी पुत्री डॉक्टर कार्तिकाजी ने भी 11 उपवास किया। जिसमें पारणा या तप अनुमोदना करने में अभिनव सामायिक रखी गई बतादें की पूरी मुंबई में सामायिक कि यह पहल हुई और सभी ने बढ़ चढ़ कर सामयिक में भाग लेकर अनुमोदना की। गौरतलब हो कि पारस चपलोत वर्तमान में मीरा भायंदर के साधु मार्गी जैन संघ के अध्यक्ष पद को शोभायमान कर रहे है। आपके तप की हम सभी की ओर से बहुत-बहुत अनुमोदना।

आदिवासी पारधी समाज की बस्ती में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणेशोत्सव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पूरे देश में गणेशोत्सव का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में नवी मुंबई के घनसोली म्हापे आदिवासी पारधी समाज की बस्ती में भी गणेशोत्सव का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। बता दें कि आदिवासी पारधी वाडी में गणेशोत्सव बड़े जोश, भक्ति और सामाजिक एकता के माहौल में मनाया गया। इस मौके पर भगवान गणेशजी की भक्ति के साथ निरंतर पूजा अर्चना की गई और गणेशजी के दर्शन के लिए आए सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया।सार्वजनिक गणेशोत्सव के जरिए सभी धर्मों, जातियों और समुदायों के नागरिकों को एक साथ

लाना, आपस में भाईचारा, प्यार और सामाजिक सदभाव बनाना ही इस उपक्रम का उद्देश्य है। इस तरह के आयोजन से आदिवासी पारधी समाज में एकता और भाईचारा की मिसाल कायम होती है । साथ ही समाज के विकास और एक स्वस्थ भविष्य का निर्माण होता है। हमारे पर्व और संस्कृति को बनाए रखने के लिए गणेशोत्सव का आयोजन बहुत ही महत्वपूर्ण है। ऐसा विश्वास आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई व नवी मुंबई के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार ने जताया।

समारोह का आयोजन संतोष एकनाथ पवार, आदिवासी पारधी महासंघ, मुंबई और नवी मुंबई के अध्यक्ष और लक्ष्मी देवी आदिवासी पारधी ट्रस्ट की ओर से किया गया था। बता दें कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए उनके जरिए कई शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और जन जागरूकता गतिविधियाँ लगातार आदिवासी पारधी महासंघ की ओर से चलाई जा रही हैं। जिससे कि अगली पीढ़ी को शिक्षा, संस्कृति, स्वास्थ्य और विकास की नई दिशा मिल सके।

मुंबई दौरे पर भाजपा नेता अजय शंकर दुबे, लालबाग के राजा के किये दर्शन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में चल रहे गणेशोत्सव के अवसर पर उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के मुंगरा बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा नेता एवं 2022 विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे अजय शंकर दुबे अज्जू भैया मुंबई दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने परिवार सहित मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा के दर्शन किये और भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया।

मुंबई प्रवास के दौरान अजय शंकर दुबे ने वसई विधानसभा क्षेत्र की भाजपा विधायक स्नेहा दुबे-पंडित के निवास पर विराजमान भगवान श्रीगणेश के दर्शन भी किए। दोनों नेताओं के बीच क्षेत्र से जुड़े सामाजिक एवं संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई। स्नेहा दुबे-पंडित वसई विधानसभा क्षेत्र की वर्तमान भाजपा विधायक हैं। इसके बाद नालासोपारा स्थित दुबे स्टेट में मुंगरा बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र से जुड़े मुंबई एवं आसपास के प्रवासी नागरिकों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर जन्मदिन समारोह मनाया गया। इस दौरान अजय शंकर दुबे ने क्षेत्रवासियों से संवाद करते हुए आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत करने तथा आपसी समन्वय बढ़ाने की अपील की। बैठक में मुंगरा बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र से मुंबई में रह रहे लोगों ने क्षेत्र की सामाजिक एवं विकास संबंधी आवश्यकताओं पर भी चर्चा की। दुबे ने सभी कार्यकताओं और समर्थकों से एकजुट होकर संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आहवान किया।

सेल्सफोर्स ने दिखाया कि इंसान और ए.आई एजेंट मिलकर किस प्रकार एजेंटिक एंटरप्राईज का संचालन कर सकते हैं

मुंबई। सैन फ्रांसिस्को में 15 से 17 सितंबर तक आयोजित हुए ड्रीमफोर्स 2026 में इंसानों और ए.आई एजेंट्स ने मिलकर काम करते हुए हर कंपनी को ए.आई से आगे बढ़कर एजेंटिक एंटरप्राईज बनने के लिए प्रेरित किया, जो लोगों को ए.आई में मदद करे, कार्रवाई कर सके और वास्तविक काम पूरे कर सके। इस ईवेंट में सेल्सफोर्स ने अपना एजेंटिक एंटरप्राईज का विजन पेश किया, जिसमें ए.आई एजेंट लोगों के साथ मिलकर काम करते हुए ग्राहक अनुभव में परिवर्तन लाते हैं, कर्मचारियों को समर्थ बनाते हैं और व्यवसाय की वृद्धि करते हैं।

अरुंधति भट्टाचार्य, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, सेल्सफोर्स साउथ एशिया ने कहा, ड्रीमफोर्स में इस बात की झलक मिलती है कि एंटरप्राईज टेक्नोलॉजी किस दिशा में जा रही है। भारत के लिए यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। भारतीय व्यवसाय ए.आई के प्रायोगिक चरण से आगे बढ़ रहे हैं। वो ग्राहक सेवा, कर्मचारियों को सशक्त बनाने और विकास के सफर में ए.आई एजेंट्स को शामिल कर रहे हैं। इन घोषणाओं से एक बुनियादी परिवर्तन प्रदर्शित होता है। ए.आई एंटरप्राईज सिस्टम और वर्कफ्लो में काम करने के तरीके का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है। ए.आई का अगला चरण इस बात से तय होगा कि इंटैलिजेंस को व्यावसायिक नतीजों में कितने प्रभावशाली तरीके से शामिल किया जाएगा। इस विकास में भारत की भूमिका एक प्रतिभागी की बजाय एक निमार्ता की हो सकती है। सेल्सफोर्स ने ए.आईफोर्स पेश कियाः सेल्सफोर्स ने एक नई इंटरफेस लेयर, ए.आईफोर्स पेश की, जो सेल्सफोर्स के डेटा, वर्कफ्लो, बिजनेस लॉजिक, परमिशन, सिक्योरिटी और गवर्नेंस को उस ए.आई इंटरफेस में लेकर आती है, जिसमें कर्मचारी पहले से काम करते हैं। ए.आईफोर्स का लॉन्च क्लॉडफोर्स, स्लैकफोर्स और एजेंटफोर्स कोवर्कर के साथ किया गया, ताकि यूजर्स और एजेंट्स क्लॉड और स्लैक जैसे इंटरफेस द्वारा सेल्सफोर्स की क्षमताओं का उपयोग कर सकें।सेल्सफोर्स और एंथ्रोपिक ने क्लॉडफोर्स लॉन्च कियाः सेल्सफोर्स और एंथ्रोपिक ने क्लॉडफोर्स पेश किया, जो क्लॉड की रीजनिंग को सेल्सफोर्स के भरोसेमंद डेटा, वर्कफ्लो, एक्शंस और गवर्नेंस के साथ लाता है। क्लॉडफोर्स यूजर्स को क्लॉड के अंदर सेल्सफोर्स की क्षमताओं को एक्सेस करने में समर्थ बनाता है। लॉन्च के बाद इसमें 37 प्रीबिल्ट सेल्स स्किल्स उपलब्ध कराई जा चुकी हैं।

सेल्सफोर्स और एनवीडिया ने कोआ पेश कियाः सेल्सफोर्स और एनवीडिया ने कोआ पेश किया। यह एजेंटफोर्स के लिए सेल्सफोर्स का पहला सीआरएम रीजनिंग मॉडल है, जो एनवीडिया नेमोट्रॉन पर बनाया गया है। कोआ को कॉम्प्लेक्स, मल्टी-स्टेप एंटरप्राईज वर्कफ्लो द्वारा रीजनिंग के लिए बनाया गया है। इसे सिंथेटिक सिनैरियो पर प्रशिक्षित किया गया है, जो लगभग तीन दशकों की सीआरएम विशेषज्ञता पर आधारित है। सेल्सफोर्स का कहना है कि कोआ सीआरएम एक्शंस में अग्रणी मॉडल परफॉर्मेंस से मेल खाता है या उससे भी बेहतर है, तथा अपने सीआरएम बेंचमार्क में तीन गुना कम त्रुटियाँ पेश करता है। सेल्सफोर्स और गूगल क्लाउड ने रणनीतिक पार्टनरशिप का विस्तार कियाः नए इंटीग्रेशन के साथ सेल्सफोर्स का बिजनेस कॉन्टैक्स्ट अमेजॉन क्विक में, एडब्लूएस एजेंट स्लैक में और अमेजॉन बेडरॉक द्वारा एजेंटफोर्स के व्यापक मॉडल विकल्प प्राप्त होते हैं।

साथ ही, अमेजॉन कनेक्ट कस्टमर के साथ विस्तृत जीरो कॉपी डेटा एक्सेस और एजेंटफोर्स वॉईस इंटरऑपरेबिलिटी संभव होती है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

30 लाख के इनामी नक्सली कमांडर बृजेश गंझू को यूपी एटीएस ने मुठभेड़ में मार गिराया

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। रामनगर थाना क्षेत्र में रविवार तड़के यूपी एटीएस और 30 लाख रुपये के इनामी नक्सली कमांडर बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुताबिक, जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से बृजेश गंझू घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

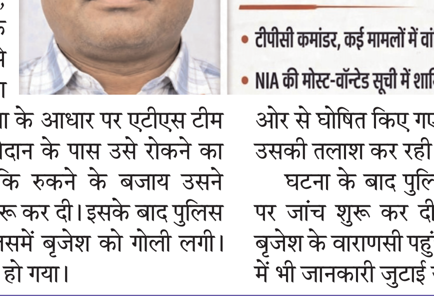

पुलिस के अनुसार, बृजेश अपने एक साथी के साथ बाइक से टेंगरा मोड़ से मुगलसराय की ओर जा रहा था। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर एटीएस टीम ने रामनगर क्षेत्र के लंका मैदान के पास उसे रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि रुकने के बजाय उसने एटीएस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बृजेश को गोली लगी। उसका साथी मौके से फरार हो गया।

मुठभेड़ के दौरान बृजेश की ओर से की गई फायरिंग में यूपी एटीएस के डिप्टी एसपी विपिन राय और हेड कांस्टेबल नितेंद्र कृष्ण की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोलियां लगीं। दोनों पुलिसकर्मी सुरक्षित बताए गए हैं।

बृजेश गंझू झारखंड के प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) का कमांडर बताया गया है। उस पर कुल 30 लाख रुपये का इनाम था, जिसमें 25 लाख रुपये झारखंड सरकार और पांच लाख रुपये एनआईए की ओर से घोषित किए गए थे। एनआईए विभिन्न मामलों में उसकी तलाश कर रही थी।

घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने मौके पर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, बृजेश के वाराणसी पहुंचने और उसके साथियों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

शराब पार्टी में हंगामा, एएसपी से अभद्रता का आरोप; कई हिरासत में

अलीगढ़ (उत्तरशक्ति)। शहर के एक बार में शराब पार्टी के दौरान रविवार को जमकर हंगामा होने की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर एएसपी सृष्टि जैन पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। आरोप है कि मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने शराब के नशे में जमकर हुड़दंग किया और पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता की। इसी दौरान एएसपी सृष्टि जैन के साथ भी कथित तौर पर डंडे चलाने का प्रयास किया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एएसपी सृष्टि जैन की आवाज सुनाई दे रही है, जिसमें वह कहती हुई नजर आ रही हैं– 'जिस तरह से मैं रोक रही हूं, तुमने मुझ पर दो डंडे चलाए।' पुलिस ने मौके से करीब आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है। सभी को थाने ले जाकर पूछताछ की जा रही है और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। घटना को लेकर पुलिस की ओर से विस्तृत जानकारी और आरोपों की पुष्टि का इंतजार है।

चोरी की 4 बाइक के साथ 3 शातिर गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पुलिस कमिश्नरेट के वरुणा जोन में रोहनियां पुलिस ने ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। चोरी की 4 मोटरसाइकिल के साथ 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार सुबह करीब चार बजे आर्यन स्कूल हाईवे अंडरपास के पास चेकिंग चल रही थी। मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग चोरी की बाइक के साथ खड़े हैं।

सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया और 4 बाइक बरामद की। गिरफ्तार अभियुक्तों में सुनील गौड़ निवासी बालीपुर, रोहनियां विनोद बंजारा उर्फ शेरे निवासी पहाड़ी गेट, मंडुवाडीह मुन्नू गुप्ता उर्फ मोनू गुप्ता निवासी दूधुवां, चौबेपुर, हाल पता लठिया, रोहनियां इस संबंध में थाना रोहनियां में मुकदमा संख्या 0319/2026 धारा 317(2)/317(4)/317(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। सुनील गौड़ पर पहले से लंका और रोहनियां थाने में लूट, चोरी और आर्म्स एक्ट के 8 मुकदमे दर्ज हैं। विनोद बंजारा पर भी 4 मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक राजू सिंह, चौकी प्रभारी अखरी धर्मेंद्र राजपूत, उप निरीक्षक नीरज कुमार, श्यामबाबू सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे।

सूरजकुण्ड में स्नान के साथ भादो छठ मेला शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा क्षेत्र में ऐतिहासिक भादो छठ मेला रविवार को शुरू हुआ। सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं ने सूरज कुंड में स्नान करना शुरू कर दिया। भीड़ बढ़ने पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय से रूट डायवर्ट किया गया। मेले की तैयारी के लिए एक दिन पहले ग्राम प्रधान रैना सिंह ने सूरजकुंड तालाब की सफाई कराई थी। सड़क के दोनों किनारों को भी जेसीबी मशीन से 2 किलोमीटर तक साफ किया गया। तालाब में नहाने के लिए बैरिकेडिंग भी की गई है।

सूरज कुंड तालाब को आस्था का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इसमें स्नान करने से चर्म रोग दूर होते हैं। इसी वजह से दूसरे जिलों और राज्यों से भी लोग यहां आकर आस्था की डुबकी लगाते हैं। भादो छठ का यह मेला कृषि यंत्रों के लिए भी जाना जाता है, जिसे किसान मेला भी कहते हैं। पहले यह मेला एक हफ्ते पहले से शुरू हो जाता था। लेकिन सड़क पर अतिक्रमण और आबादी बढ़ने के कारण अब यह रविवार को ही सिमट गया है। कृषि यंत्रों का मेला अगले दो-तीन दिन तक चलता रहेगा। सीओ सदर सम्यक चौधरी ने बताया कि मेले में और पुलिस बल तैनात होगा। जरूरत पड़ने पर पुलिस बल बढ़ाया जाएगा। रूट डायवर्जन की तैयारी भी पूरी हो गई है। अगर भीड़ बढ़ती है, तो पूर्वांचल विश्वविद्यालय से करंजाकला-मल्हनी मार्ग से होकर कोइरीडीहा के लिए रूट डायवर्ट किया जाएगा।मेले में बैरियर लगाए गए हैं। दुकानदारों से किसी भी तरह की वसूली न हो, इसके लिए भी रोक लगाई गई है। प्रधान द्वारा 2 किलोमीटर सड़क की सफाई कराई गई है, ताकि दुकानदारों को दुकान लगाने में कोई दिक्कत न हो। महिला थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न और हत्या के प्रयास के वांछित को धर दबोचा।

दिनेश चौधरी के कार्यकाल में केराकत में हुए कई विकास कार्य: सुशील कुमार पटवा

सड़क, बिजली, पानी और रोजगार के मुद्दे पर मौजूदा जनप्रतिनिधियों को घेरा

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्रीरामलीला नाटक समिति के प्रबंधक एवं भाजपा युवा नेता सुशील कुमार पटवा ने केराकत के विकास को लेकर पूर्व विधायक दिनेश चौधरी के कार्यकाल का जिक्र करते हुए मौजूदा जनप्रतिनिधियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दिनेश चौधरी के विधायक रहते केराकत विधानसभा क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी सहित कई क्षेत्रों में विकास कार्य कराए गए। विधायक न रहने के बाद भी वह जाति-पाति से ऊपर उठकर क्षेत्र की जनता के बीच रहते हैं और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करते हैं।

सुशील पटवा ने कहा कि केराकत क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी और रोजगार से जुड़ी समस्याएं आज भी बनी हुई हैं। जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने मौजूदा जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि केराकत से सपा के तूफानी सरोज विधायक और मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र से उनकी पुत्री प्रिया सरोज सांसद हैं। इसके बावजूद क्षेत्र की कई समस्याओं का समाधान अपेक्षा के अनुरूप नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि जनता विकास के साथ-साथ सड़क, बिजली, पानी और रोजगार जैसे मुद्दों पर काम चाहती है।

सुशील पटवा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच रहकर संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में भाजपा और मजबूत होकर उभरेगी तथा केराकत में पार्टी जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि जनता विकास के मुद्दे पर अपना निर्णय करेगी।

जंतर-मंतर पर सपा ने किया धरना-प्रदर्शन

जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण पर रोक और 350 मुकदमों की एसआईटी जांच की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान के नेतृत्व में रविवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा भारत के मुख्य न्यायाधीश को संबोधित ज्ञापन प्रेषित किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगाने तथा मोहम्मद आजम खान, अब्दुल्ला आजम खान और उनके परिवार से जुड़े मामलों की स्वतंत्र जांच की मांग उठाई। जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को लेकर रामपुर विकास प्राधिकरण ने जुलाई 2026 में ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया था। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने इस आदेश को कानूनी रूप से चुनौती भी दी है।

ज्ञापन में कहा गया कि विश्वविद्यालय के भवनों का मामला केवल निर्माण से संबंधित नहीं है, बल्कि इससे विद्यार्थियों की शिक्षा, शिक्षकों के रोजगार और शोध कार्य भी प्रभावित हो सकते हैं। सपा ने मांग की कि मामले की वैधानिक समीक्षा पूरी होने तक किसी भी ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर

रोक लगाई जाए।

ज्ञापन में वर्ष 2019 में आजम खान, अब्दुल्ला आजम खान एवं उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दर्ज लगभग 350 मुकदमों की स्वतंत्र विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की भी मांग की गई। सपा नेताओं ने इन मुकदमों की समग्र और निष्पक्ष जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय के सेवारत अथवा सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में SIT गठित करने की मांग रखी।

प्रदर्शन के दौरान पार्टी की ओर से जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण नोटिस को वापस लेने, अंतिम न्यायिक निर्णय तक कार्रवाई रोकने तथा आजम खान और अब्दुल्ला आजम खान को निष्पक्ष सुनवाई और उनके संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित किए जाने की मांग की गई।

सपा की ओर से कहा गया कि शिक्षा संस्थानों से जुड़े मामलों में बुलडोजर कार्रवाई के बजाय कानून सम्मत समाधान और संवाद का रास्ता अपनाया जाना चाहिए। प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं के अलावा अल्पसंख्यक सभा, पीडीए से जुड़े कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में छात्र और शिक्षक शामिल हुए।

यह प्रदर्शन आजम खान के समर्थन में सपा द्वारा जंतर-मंतर पर आयोजित कार्यक्रम के रूप में भी रिपोर्ट किया गया है।

टायर फटने से पशु आहार लदी ट्रक हाईवे पर पलटा, चालक-खलासी बाल-बाल बचे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के इंजरी गांव के पास रविवार सुबह वाराणसी-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर पशु आहार लदी ट्रक टायर फटने से अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चालक और खलासी

बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार, ट्रक बिहार से पशु आहार लादकर हैदरगढ़ जा रही थी। इंजरी गांव के पास अचानक ट्रक का टायर फट गया। इससे चालक का वाहन पर नियंत्रण नहीं रहा और ट्रक हाईवे पर पलट गई। हादसे में चालक रामू गुप्ता और खलासी श्यामू सुरक्षित बच गए। घटना के बाद चालक ने मामले की जानकारी वाहन मालिक को दी। ट्रक के हाईवे पर पलटने से कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा।

जोधपुर–मऊ एक्सप्रेस का शाहगंज में होगा ठहराव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी दशहरा और दिवाली के पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे की ओर से जोधपुर-मऊ-जोधपुर साप्ताहिक त्योहार विशेष गाड़ी का संचालन किया जाएगा। इसका ठहराव शाहगंज में होगा। जिससे जिले के लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी, गोरखपुर सुमित कुमार ने बताया कि ट्रेन संख्या 04823 जोधपुर-मऊ साप्ताहिक स्पेशल चार अक्टूबर से 29 नवंबर तक हर रविवार शाम 5 बजे जोधपुर से चलकर पीपाड़ रोड, फुलेरा, जयपुर होते हुए दूसरे दिन बांदीकुई, भरतपुर, मथुरा जंक्शन, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम होते हुए शाहगंज 8.53 बजे पहुंचेगी, जिसके बाद खोरासन रोड, आजमगढ़, मुहम्मादाबाद होते हुए मऊ रात 11.40 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 04824 मऊ-जोधपुर स्पेशल साप्ताहिक त्योहार विशेष ट्रेन 6 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक हर मंगलवार सुबह 4 बजे मऊ से प्रस्थान कर मुहम्मदाबाद, आजमगढ़, खोरासन रोड होते हुए, शाहगंज सुबह 7.3 बजे पहुंचेगी, यहां से अयोध्या धाम, कानपुर सेंट्रल, मथुरा जंक्शन, भरतपुर होते हुए दूसरे दिन जयपुर होते हुए जोधपुर 8:40 बजे पहुंचेगी।

अनन्त चन्द्रशेखर होंगे जौनपुर के नए एसपी सिटी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस विभाग में हुए स्थानांतरण के तहत अनन्त चन्द्रशेखर को जौनपुर का नया पुलिस अधीक्षक नगर नियुक्त किया गया है। वह इससे पहले चंदौली में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात थे। अनन्त चन्द्रशेखर के जौनपुर आने के बाद नगर क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी। वहीं वर्तमान एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव का स्थानांतरण कर दिया गया है। नए एसपी सिटी के कार्यभार संभालने के बाद नगर क्षेत्र में पुलिसिंग व्यवस्था को और प्रभावी बनाने तथा आमजन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर रहने की उम्मीद है।

पहले ही प्रयास में अजीत कुमार यादव ने 1040 वोट से दर्ज की शानदार जीत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय बार एसोसिएशन जौनपुर के वार्षिक चुनाव में पचहटिया निवासी युवा अधिवक्ता अजीत कुमार यादव ने कार्यकारिणी सदस्य पद पर शानदार जीत दर्ज की। पहले ही प्रयास में उन्होंने 1040 मतों से विजय हासिल कर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। चुनाव परिणाम घोषित होते ही अजीत कुमार यादव के समर्थकों और अधिवक्ता साथियों में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया और मिठाई खिलाकर बधाई दी। जीत के बाद अजीत कुमार यादव ने सभी सम्मानित अधिवक्ताओं एवं समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकारिणी सदस्य के रूप में वह अधिवक्ताओं के हितों और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव में अधिवक्ताओं द्वारा जताया गया विश्वास उनके लिए जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाना, उनके हितों के लिए निरंतर प्रयास करना तथा बार की गरिमा और मजबूती के लिए कार्य करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

चितईपुर में सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते छह गिरफ्तार, 21,600 रुपये बरामद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के चितईपुर थाना क्षेत्र के टिकरी गांव में सार्वजनिक स्थान पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे छह लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 21,600 रुपये मालफड़ और 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 19 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि टिकरी गांव में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर क्राइम टीम के साथ चितईपुर पुलिस ने ओम बिल्डिंग मैटेरियल के पास खाली मैदान में घेराबंदी कर दबिश दी। मौके से छह लोगों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजीत कुमार सिंह (30), राजेंद्र यादव (45), जीत बहादुर सिंह (39), दशमी (25), अंकित यादव (23) और आकाश जायसवाल (23) के रूप में हुई है। सभी वाराणसी के अलग-अलग क्षेत्रों के निवासी बताए गए हैं।

पुलिस ने बरामद रुपये और ताश के पत्तों को कब्जे में लेकर सील कर दिया। मामले में थाना चितईपुर में मु0अ0सं0 0226/2026 के तहत धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी थानाध्यक्ष राकेश कुमार गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने की।

रोडवेज तिराहे से आरोपी गिरफ्तार, वाराणसी में छिपकर रह रहा था आरोपी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में वांछित व वारंटी अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत महिला थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न और हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को रोडवेज तिराहे से गिरफ्तार कर लिया।

महिला थाना प्रभारी श्यामा तिवारी ने बताया कि महिला थाना पर दर्ज प्राथमिकी दहेज प्रतिषेध व हत्या के प्रयास के अधिनियम में वांछित आरोपी की तलाश की जा रही थी। उहोंने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि शनिवार को उक्त मुकदमे का वांछित अभियुक्त रोडवेज तिराहा के आसपास मौजूद है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रवीण कुमार सिंह पुत्र विनय प्रताप सिंह, निवासी ग्राम धन्नीपुर थाना बरसठी हाल पता, यमुनानगर कॉलोनी तरना थाना शिवपुर जनपद वाराणसी के रूप में हुई है।

महिला थाना प्रभारी श्यामा तिवारी के अनुसार आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहा था और वाराणसी में छिपकर रह रहा था। उसे दिनांक 19 सितंबर को सुबह 10:20 बजे रोडवेज तिराहा जौनपुर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया।

करंट की चपेट में आया युवक, मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के काछीडीह गांव में खेत की सिंचाई के लिए पानी का पंप चालू करते समय एक युवक करंट की चपेट में आ गया। हादसे में गंभीर रूप से झुलसे युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। बताया गया कि 35 वर्षीय हरीश प्रताप सिंह खेत की सिंचाई के लिए पानी का पंप चालू करने गए थे। पंप चालू करते समय वह अचानक करंट की चपेट में आ गए। परिजन और आसपास के लोगों ने उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा था। रविवार सुबह करीब नौ बजे उपचार के दौरान हरीश प्रताप सिंह ने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

यूपीआई लेनदेन पर अतिरिक्त चार्ज व्यापारियों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ: इंदु सिंह

व्यापारियों की हर लड़ाई में हम साथ: आरिफ हबीब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूपीआई के माध्यम से होने वाले डिजिटल लेनदेन पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने की चर्चा के बीच व्यापारियों में चिंता और असंतोष है। व्यापारियों का कहना है कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने यूपीआई को व्यापक रूप से अपनाया है, ऐसे में प्रत्येक लेनदेन पर अतिरिक्त चार्ज लगाए जाने से छोटे एवं मध्यम व्यापारियों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ेगा।

व्यापार मंडल के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदु ने कहा कि आज देश में करोड़ों छोटे दुकानदार, व्यापारी और उपभोक्ता रोजमर्रा के लेनदेन के लिए यूपीआई पर निर्भर हैं। डिजिटल भुगतान व्यवस्था को सरल, सुरक्षित और कम लागत वाला बनाए रखना आवश्यक है। यदि व्यापारियों से प्रत्येक छोटे-बड़े यूपीआई लेनदेन पर अतिरिक्त शुल्क लिया जाता है, तो इसका सीधा असर उनके व्यापारिक खर्च और आम उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि व्यापारियों की आर्थिक परेशानियों को बढ़ाने के बजाय सरकार को डिजिटल भुगतान व्यवस्था को और अधिक सुगम तथा शुल्क-मुक्त बनाए रखने की दिशा में काम करना चाहिए। छोटे व्यापारियों के हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में उचित नहीं है।

ज़िला महामंत्री आरिफ हबीब ने केंद्र सरकार और संबंधित संस्थाओं से मांग की कि वढक लेनदेन पर व्यापारियों से कोई अतिरिक्त शुल्क न लिया जाए तथा व्यापारियों के प्रतिनिधियों से संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए।

व्यापारी नेताओं ने कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए वह हमेशा उनकी आवाज मजबूती से उठाते रहेंगे। उक्त आशय की सूचना ज़िला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के ज़िला महामंत्री आरिफ हबीब ने दी है।

सद्भावना मंच का शब्द-साधना सम्मान समारोह एवं विराट कवि सम्मेलन संपन्न

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। सद्भावना मंच प्रयागराज के तत्वावधान में नीमसराय कॉलोनी, मुंडेरा स्थित राज गार्डन में 'शब्द-साधना सम्मान समारोह एवं सद्भावना कवि सम्मेलन' का आयोजन न्यायमूर्ति सुधीर नारायण की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विश्व हिंदू परिषद काशी प्रांत के अध्यक्ष के.पी. सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए साहित्य और समाज के बीच संवाद को महत्वपूर्ण बताया।

संस्था के अध्यक्ष डॉ. योगेंद्र कुमार मिश्र 'विश्वबंधु' ने पुष्पहार, अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिह्न भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। स्वागताध्यक्ष एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुशील कुमार सिन्हा ने कहा कि कवि और लेखक समय की प्रतिध्वनि तथा भविष्य के मार्गदर्शक होते हैं। उनकी रचनाओं से प्रेरणा लेकर समाज और देश को सही दिशा मिलती है।

सद्भावना मंच के उपाध्यक्ष एवं प्रचार-प्रसार संयोजक कवि-चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि कार्यक्रम में भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, सभासद दीपिका सिंह पटेल, डॉ. पीयूष दीक्षित, श्री श्री दुर्गापूजा अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, मां वैष्णो रामकथा अध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय, ओमप्रकाश गौतम, चंद्रसेन शर्मा, मंडी अध्यक्ष सतीश कुशवाहा, निरंकार त्रिपाठी, त्रियुगी नारायण मिश्र सहित क्षेत्र के अनेक प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

कवि सम्मेलन का शुभारंभ प्रीता बाजपेई की सरस्वती वंदना से हुआ।

इसके बाद राकेश मालवीय, शरत चंद्र श्रीवास्तव, योगेंद्र मिश्र, शंभूनाथ श्रीवास्तव, रवीन्द्र कुशवाहा, आनंद श्रीवास्तव, संगीता श्रीवास्तव, मंजूलता नागेश, ब्रह्माणी तिवारी, विजयालक्ष्मी विभा, रश्मि राधे, ललिता पाठक, जगदीश कौर, मिली श्रीवास्तव, योगमाया, श्रीरंग, मनमोहन सिंह तन्हा, सुनील विक्रम सिंह, डॉ. अजय मालवीय, उपेंद्र पांडेय, एच.एन. पांडेय, आरवी सिंह पथिक, रोहित तिवारी, डॉ. विंध्यवासिनी शुक्ल, गुप्तेश्वर पांडेय, शैलेंद्र जय, डॉ. संतोष पांडेय, डॉ. रामलखन चौरसिया, मधुबाला गौतम, पूर्णिमा पांडेय, ऋचा त्रिपाठी, श्रीराम तिवारी 'सहज', कैलाश पाल 'प्रयागी', रजनीश राय, धीरेन्द्र सिंह नागा, अनुभव कुमार, श्याम फतनपुरी, सोमनाथ शुक्ल, कपिल जायसवाल, विपिन दिलकश, राजेंद्र प्रसाद शुक्ल, प्रियंवदा शुक्ला सहित 57 कवियों ने काव्य पाठ किया।

कवियों की रचनाओं पर श्रोता देर तक झूमते रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी कवियों को पुष्पहार, अंगवस्त्र एवं स्मृति प्रदान कर सम्मानित किया गया। महामंत्री शंभूनाथ श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों एवं कवियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कोषाध्यक्ष रेखा तिवारी ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने में सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. योगेंद्र कुमार मिश्र 'विश्वबंधु' ने किया।

मुकुंदीपुर में 'गणपति बप्पा' के दर्शन में श्रद्धालुओं की भीड़

जौनपुर। जनपद जौनपुर के सिकरारा क्षेत्र अंतर्गत मुकुंदीपुर गांव माता जी के मंदिर में पुजारी संजय मिश्र के संयोजन में भव्य गणेशोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर परिसर में भगवान श्री गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। गणपति बप्पा के दर्शन और पूजन के लिए सुबह-शाम मंदिर में ग्रामवासी एवं श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। पत्रकार आदेश मिश्र ने बताया कि आरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से गूंज उठता है। भक्तगण श्रद्धा और उत्साह के साथ भगवान गणेश की आराधना कर सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। गणेशोत्सव को लेकर गांव में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। आयोजन में स्थानीय श्रद्धालुओं की सक्रिय सहभागिता देखने को मिल रही है।

79वें संत समागम की सेवाओं का हुआ शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संत निरंकारी मिशन के 79वें वार्षिक संत समागम की सेवाओं का शुभारंभ रविवार को श्रद्धा और समर्पण के वातावरण में हुआ। 23 से 26 अक्टूबर 2026 तक संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा, हरियाणा में आयोजित होने वाले इस संत समागम में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। समागम सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में आयोजित होगा।

सेवा कार्यों के शुभारंभ अवसर पर निरंकारी राजपिता रमित जी ने सेवा स्थल का उद्घाटन किया। इस दौरान संत निरंकारी मंडल की कार्यकारिणी समिति, केंद्रीय सेवादल के अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने सेवाओं में भाग लिया। संत निरंकारी मंडल की अध्यक्ष राजकुमारी मामी जी और सचिव जोगिन्दर सुखीजा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर निरंकारी राजपिता जी का स्वागत किया।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए निरंकारी राजपिता रमित जी ने कहा कि संत समागम की विशाल सेवाएं असंख्य संतों की निस्वार्थ सेवा, त्याग और समर्पण का परिणाम हैं। मानव जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के सुख-दुःख में सहभागी बनने के लिए मिला है। उन्होंने कहा कि सेवा में जब मैं का भाव समाप्त होकर हम का भाव आता है, तभी सेवा का वास्तविक अर्थ सामने आता है।

उन्होंने कहा कि सतगुरु का ज्ञान मनुष्य की दृष्टि को बदलकर प्रत्येक मानव में निरंकार का स्वरूप देखने की प्रेरणा देता है। यदि मानव एक-दूसरे से प्रेम और सम्मान का व्यवहार करे तो समाज और अधिक सुंदर बन सकता है। उन्होंने अपने कर्मों और व्यवहार से सच्चा मानव बनने की प्रेरणा दी। इस वर्ष संत समागम का शीर्षक जागृति रखा गया है। इसके माध्यम से मनुष्य को बाहरी संसार से हटकर अपने भीतर झांकने और अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने की प्रेरणा दी जा रही है। जागृति का अर्थ हर परिस्थिति में सजग और सचेत रहकर प्रभु-स्मरण से जुड़े रहना बताया गया है। संत निरंकारी मिशन के अनुसार संत समागम किसी धर्म, जाति, भाषा अथवा क्षेत्र की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवता और सत्य के संदेश को समर्पित एक आध्यात्मिक आयोजन है। सेवा के माध्यम से इंसानियत और आध्यात्मिकता का संदेश देते हुए श्रद्धालु समागम की तैयारियों में जुट गए हैं।

22 बैच की IPS अधिकारी को मिली अपर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र की कमान

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। 2022 बैच की आईपीएस अधिकारी सुश्री मेविस टॉक का तबादला बांदा से सोनभद्र किया गया है। बांदा में सहायक पुलिस अधीक्षक (अरढ) के पद पर तैनात मेविस टॉक को अब अपर पुलिस अधीक्षक (Addl. SP), सोनभद्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मेविस टॉक ने बांदा में सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाली थी। अब सोनभद्र में नई भूमिका के तहत उन्हें जिले की पुलिस व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करना होगा। उनकी नई जिम्मेदारी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण और पुलिस प्रशासन के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आईपीएस अधिकारी के स्थानांतरण के बाद सोनभद्र पुलिस महकमे में प्रशासनिक स्तर पर बदलाव हुआ है। मेविस टॉक के नई जिम्मेदारी संभालने के बाद जिले की पुलिस व्यवस्था में उनके अनुभव का उपयोग किए जाने की उम्मीद है।

जयनगर की कृत्रिम झील में पानी की कमी पर भाजपा ने जताई नाराजगी

वसई। वसई-विरार शहर महानगरपालिका द्वारा वालिव के जयनगर क्षेत्र में गणेश विसर्जन के लिए बनाई गई कृत्रिम झील में पर्याप्त पानी नहीं होने का मामला सामने आया है। इसे लेकर भाजपा जिला सचिव अश्विन सावरकर ने महानगरपालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। सावरकर ने कहा कि गणेशोत्सव हिंदू समाज की आस्था और भावनाओं से जुड़ा पवित्र पर्व है। ऐसे में गणेश विसर्जन के लिए तैयार की गई कृत्रिम झील में पर्याप्त पानी की व्यवस्था नहीं होना प्रशासन की लापरवाही और खराब नियोजन को दर्शाता है। इसके कारण नागरिकों, श्रद्धालुओं और गणेश विसर्जन के लिए आने वाले भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराई जाए और लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर नियमानुसार कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। सावरकर ने कहा कि जांच के नाम पर केवल औपचारिक रिपोर्ट तैयार कर मामले को दबाने का प्रयास किया गया तो भाजपा की ओर से आंदोलन किया जाएगा।

उन्होंने महानगरपालिका प्रशासन से भविष्य में गणेश विसर्जन के लिए बनाए जाने वाले सभी कृत्रिम तालाबों में पर्याप्त पानी, नियमित ड्रेनेज, आवश्यक स्वच्छता एवं डिसइंफेक्शन तथा आपातकालीन व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं और गणेशोत्सव की पवित्रता का सम्मान करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। अश्विन सावरकर ने स्पष्ट किया कि यदि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो भाजपा नागरिकों की समस्याओं को लेकर सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी।

श्री राम शिक्षा सेवा संस्था द्वारा श्री राम कथा का आयोजन

वसई। श्री राम शिक्षा सेवा संस्था की ओर से वसई रोड पश्चिम स्थित स्वामी नारायण मंदिर में नौ दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा में प्रसिद्ध कथा वाचक श्री रघुबीर दास प्रभु अपने मुखारबिंद से श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का रसपान कराएंगे। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार उपस्थित होकर कथा का लाभ लेने का आह्वान किया है।

श्री राम कथा का आयोजन 26 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक होगा। कथा का स्थान स्वामी नारायण मंदिर, 60 फीट रोड, समता नगर, वसई पश्चिम रखा गया है।

आयोजकों के अनुसार, राम कथा केवल धार्मिक कथा नहीं, बल्कि जीवन में आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा भी देती है। भगवान श्रीराम के आदर्श राजा, आदर्श पुत्र, आदर्श भाई और आदर्श पति के रूप में जीवन-मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश मिलता है। वहीं, श्रीराम भक्त हनुमान जी की भक्ति, समर्पण और सेवा भावना भी श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणादायी है।

कथा के शुभारंभ अवसर पर 26 सितंबर को दोपहर 2 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा के.टी. वाड़ी हॉल से प्रारंभ होकर 60 फीट रोड होते हुए समता नगर स्थित स्वामी नारायण मंदिर पहुंचेगी। संस्था ने श्रद्धालुओं से समय पर पहुंचकर कलश यात्रा में शामिल होने तथा इसकी शोभा बढ़ाने की अपील की है।

कार्यक्रम की सेवादार श्रीमती रीता इस्सर ने सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में परिवार सहित उपस्थित होकर श्री राम कथा का आध्यात्मिक लाभ लेने का आग्रह किया है।

प्रजापति समाज के सात कन्याओं का विवाह 24 नवम्बर को

उन्नाव(उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज के सात कन्याओं का विवाह 24 नवम्बर को करने उन्नाव प्रजापति सभा करने जा रहा है। इसकी तैयारी बैठक आज सामुदायिक भवन पीडीनगर में सम्पन्न हुई। बैठक में सामूहिक विवाह को सम्पन्न कराने के लिए अलग अलग बिन्दुओं पर चर्चा हुई जिसमें जिला व ब्लाक कमेटी के पदाधिकारियों ने अपने अपने विचार रखे। सभा के अध्यक्ष गायत्री प्रसाद प्रजापति विवाह तैयारी बैठक में पदाधिकारियों को दायित्व सौंपे और कहाकि वह अपने दायित्वों पर खरा उतरने का कार्य करें । निर्णय के अनुसार अक्टूबर माह में वर-वधुओं को वस्त्रादि वितरित किए जायेंगे। बैठक में कहा गया कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए सदस्य बनाओ अभियान चलाना होगा। संगठन समाज में जागृति फैलाने के लिए अलग अलग कार्यक्रम और योजनाएं चला रहा है, जिसमें समाज के आर्थिक रुप से पिछड़े.परिवारों के कन्याओं को दहेजरहित विवाह कार्यक्रम के अलावा बच्चों को शिक्षा के प्रति लगाव जारी रखने के लिए छात्र छात्राओं को सम्मानित करना है। इसके अलावा समाज के लिए प्रजापति भवन निर्माण करना प्रमुख लक्ष्य है। बैठक पश्चात समाज के कई लोगों का आकस्मिक निधन पर संगठन ने शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी। बैठक में प्रेम प्रजापति, रामनरेश प्रजापति, कन्हैयालाल प्रजापति, जगन्नाथ प्रजापति, रामदत्त प्रजापति, रामनरेश प्रजापति फौजी, अवधेश प्रजापति, श्रीमती प्रीति प्रजापति, अश्विनी प्रजापति, दिनेश प्रजापति, केशव प्रजापति, छंगा प्रजापति, किशोरीलाल प्रजापति, अरविन्द प्रजापति एडवोकेट, विशाल प्रजापति आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

यूपी में पुलिस ट्रेनिंग क्षमता 6 हजार से बढ़कर 60 हजार हुई : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की पुलिस व्यवस्था में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले वर्षों में पुलिसकर्मियों की प्रशिक्षण क्षमता में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पुलिस ट्रेनिंग की क्षमता 6,000 से बढ़कर 60,000 हो चुकी है। मुख्यमंत्री के अनुसार प्रदेश में महिला पुलिसबल की संख्या में भी बड़ी वृद्धि हुई है। महिला पुलिसकर्मियों की संख्या 10,000 से बढ़कर 44,000 से अधिक हो गई है। इससे पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई है, जबकि प्रत्येक रेंज में फॉरेंसिक लैब की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इससे अपराध की जांच में वैज्ञानिक और फॉरेंसिक तकनीकों के इस्तेमाल को बढ़ावा मिला है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश के सात शहरों में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू की गई है। इन व्यवस्थागत बदलावों को उन्होंने उत्तर प्रदेश में पुलिसिंग को आधुनिक और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रशिक्षण, महिला पुलिसबल, फॉरेंसिक क्षमता और कमिश्नरेट व्यवस्था के विस्तार से प्रदेश की पुलिस व्यवस्था को नई मजबूती मिली है।

इंदौर में राहुल गांधी बोले- सिस्टम अंधभक्त पैदा कर रहा, छात्रों से कहा- सवाल पूछते रहिए

इंदौर (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को इंदौर में आयोजित ह्यछात्रों की गूंज कार्यक्रम के पांचवें संस्करण को संबोधित किया। कार्यक्रम का विषय सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आईडीए ग्राउंड पर बड़ी संख्या में युवा और छात्र कार्यक्रम में पहुंचे। करीब एक घंटे के संबोधन में राहुल गांधी ने छात्रों के साथ संवाद किया और सवाल-जवाब भी किए। उन्होंने कहा कि उनके अनुसार मौजूदा सिस्टम छात्रों के सवाल पूछने से डरता है और ऐसा माहौल बनाता है, जिसमें लोग सवाल करने के बजाय बिना सवाल किए बातों को स्वीकार करें। इसी संदर्भ में उन्होंने अंधभक्त शब्द का इस्तेमाल किया। राहुल गांधी ने छात्रों की शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और व्यवस्था से जुड़ी चिंताओं पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में कुछ छात्रों ने अपनी समस्याएं रखते हुए कहा कि वे व्यवस्था से निराश हैं। छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर राहुल गांधी ने सवाल पूछने और अपनी बात रखने की जरूरत पर जोर दिया।

यह कार्यक्रम ऐसे समय हुआ है जब देश में युवा मतदाताओं की भूमिका राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण बनी हुई है। निर्वाचन आयोग के 2024 लोकसभा चुनाव संबंधी आंकड़ों में 18-29 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं का अलग आयु-समूह के रूप में आंकड़ा दर्ज है।

दुर्गाभवन में श्री बप्पा के दर्शन किए गणमान्य लोग

मीरारोड। उद्योगपति संजय मिश्रा के मुंबई मीरारोड स्थित दुर्गा भवन निवास पर गणेशोत्सव के चौथे दिन भगवान श्री गणेश का महापूजन विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर संजय मिश्रा सहित परिवार के सभी सदस्यों ने भगवान गजानन की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। गणेशोत्सव के अवसर पर श्री बप्पा के दर्शन एवं आशीर्वाद लेने के लिए बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित हुए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राम नारायण दुबे (पूर्व नगरसेवक, मीरा-भायंदर), विक्रम प्रताप सिंह (शिवसेना शिंदे गुट नेता, मीरा-भायंदर), मनोज दुबे, विवेक उपाध्याय (नगरसेवक, मीरा-भायंदर), मिथिलेश मिश्रा (अध्यक्ष, ब्राह्मण एकता मंच चैरिटी ट्रस्ट), सुरेश मिश्रा (हास्य कवि), अनिल कुमार मिश्रा, शिशिर त्रिपाठी, पंकज त्रिपाठी, कमलेश दुबे, बिरेन भाई (आर्किटेक मुंबई), कैलाश मिश्रा, संतोष मिश्रा, राजेश मिश्रा, श्रीराम बचन तिवारी, कपिल तिवारी, विजय जायसवाल, अरुण विश्वकर्मा, राधेश्याम गुप्ता, रंजय मिश्रा, डॉक्टर पवार, मनीष पांडे (सेक्रेटरी, अश्लेषा बिल्डिंग), मुकेश कोठारी, सूरज तिवारी, शैलेश पाण्डेय एवं अभिनव त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तगण मौजूद रहे।

गणेशोत्सव के इस पावन अवसर पर दुर्गा भवन में भक्तिमय वातावरण बना रहा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की।

सुरेरी थाने में सिपाही ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस महकमे में हड़कंप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुरेरी थाना परिसर में तैनात वर्ष 2025 बैच के एक सिपाही ने कथित तौर पर फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी जुटानी शुरू कर दी। पुलिस ने सिपाही के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक के भी सुरेरी थाना पहुंचने की जानकारी है। फिलहाल सिपाही के इस कदम के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

गया पहलवान ने हरियाणा के विक्रांत को किया चित, दंगल में पहलवानों ने दिखाया दमखम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कुकुड़ीपुर स्थित शिव मंदिर प्रांगण में प्रसिद्ध दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 80 से अधिक पहलवानों ने पंजीकरण कराया। विभिन्न मुकाबलों में पहलवानों ने अपने दमखम और कुश्ती कौशल का प्रदर्शन किया। कई मुकाबले रोमांचक रहे, जबकि करीब एक दर्जन कुश्तियां बराबरी पर छूटीं। बड़ी बोली की कुश्ती में जौनपुर के गया पहलवान ने हरियाणा के विक्रांत कुमार को चित कर वाहवाही बटोरी। वहीं जौनपुर के निगम पहलवान ने हरियाणा के आशीष को पराजित किया। केराकत के नीरज पहलवान ने मेरठ के बबलू को पटकनी दी, जबकि सुजीत केराकत ने डीएलडब्ल्यू के परविंदर को हराया। यूपी पुलिस के राजेश्वर पहलवान ने प्रयागराज के अजीत कुमार को चित किया। सोनीपत के विजय और गाजीपुर के पंकज के बीच हुए रोमांचक मुकाबले में पंकज ने विजय को चित कर दिया। गाजीपुर के सुनील ने दिल्ली के पिंटू को हराया। जौनपुर के विवेक कुमार ने हरियाणा के रतन को शिकस्त दी, जबकि गाजीपुर के सुजीत ने मेरठ के रतीलाल को धूल चटाई। महिला पहलवानों के मुकाबले भी आकर्षण का केंद्र रहे। प्रतियोगिता का उद्घाटन सपा नेता लालचंद यादव लाले, डॉ. जितेंद्र यादव, विवेक यादव और डॉ. आलोक कुमार यादव ने संयुक्त रूप से किया। दंगल का संचालन मग्गू पहलवान ने किया, जबकि निर्णायक की भूमिका राजेश यादव ने निभाई। इस अवसर पर भारतजी, महेंद्र प्रताप मखन्चु, छोटेलाल, अमित यादव, आशीष यादव, रोहित यादव, अंकित यादव, सुदर्शन, दीपक और दिनेश चौहान समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गड्ढे में तब्दील हुई सड़क, हादसे के इंतजार में जिम्मेदार, बारिश में पानी भरने से बढ़ा खतरा, ग्रामीणों ने की तत्काल मरम्मत की मांग

दिनेश कन्नौजिया

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानागद्दी-केराकत मुख्य मार्ग पर उदयचंद्पुर क्षेत्र में सड़क के बीच बना गहरा गड्ढा राहगीरों के लिए मुसीबत बना हुआ है। लंबे समय से सड़क की खराब स्थिति के कारण यहां हादसे का खतरा बना रहता है। मुख्य मार्ग होने के कारण दिन-रात वाहनों का आवागमन होता है, ऐसे में सड़क के बीच बने गड्ढे को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता है।

ग्रामीणों के अनुसार मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहन गुजरते हैं। गहरे गड्ढे के कारण वाहन चालकों को परेशानी होती है। रात के समय गड्ढा स्पष्ट दिखाई नहीं देने से दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। गड्ढे से बचने के दौरान वाहनों के अचानक दिशा बदलने से सामने से आने वाले वाहनों से टक्कर की आशंका भी बनी रहती है।

बारिश के दौरान गड्ढे में पानी भर जाने से स्थिति और गंभीर हो जाती है। पानी भरने के कारण गड्ढे की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। इससे विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा बढ़ जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि समस्या की जानकारी होने के बावजूद अब तक इसकी स्थायी मरम्मत नहीं कराई गई है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और अधिकारियों से सड़क के गड्ढे को तत्काल भरवाकर मार्ग को सुरक्षित कराने की मांग की है। उनका कहना है कि बारिश के दौरान समस्या और बढ़ सकती है। समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो किसी बड़े हादसे की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। टूट चुकी सड़क से छात्रों और ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी।

केराकत अकबरपुर मेनरोड से डेढुवाना, डेहरी, सूरतपुर, पेसारा समेत दर्जनों गांवों को जोड़ने वाली सड़क कई स्थानों पर टूटकर जर्जर हो गई है। इससे छात्रों के साथ ग्रामीणों को भी आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में सड़क पर बने गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और खराब हो जाती है।

यह मार्ग डेहरी, सरावां, तरियारी, परमानंदपुर, झमका, सूरतपुर, पेसारा और पलिया समेत कई गांवों के लोगों के लिए प्रमुख आवागमन का रास्ता है। इसी मार्ग से छात्र कॉलेज जाते हैं, जबकि व्यापारी और किसान भी रोजमर्रा के कार्यों के लिए आवागमन करते हैं। नदौली निवासी संतोष कुमार, पवन कुमार, सुनील शंकर, संतोष और मोनू समेत ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की खराब हालत के कारण आए दिन परेशानी होती है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से सड़क की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है।

रविवार को टीमसी दिवा के वार्ड क्रमांक 29 की नगरसेविका श्रीमती अर्चना निलेश पाटील के घर गणपति दर्शन करते हुए शिवशक्ति वेलफेयर सोसायटी दिवा के पदाधिकारी राम बहादुर मौर्य, अनिल सरोज, बालगोविंद तिवारी, नौदीप, छद्दू मदेशिया,साथ में साबेगांव शिवसेना के विभाग प्रमुख निलेश पाटील। छाया : उत्तरशक्ति

जौनपुर के भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति का नालासोपारा में स्वागत

समाज को एकजुटता का दिया संदेश

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के नालासोपारा में अखिल प्रजापति कुम्भकार समाज (रजि.) की ओर से भव्य स्वागत समारोह एवं सामाजिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के जौनपुर की पावन धरती से आए भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति का प्रमुख अतिथि के रूप में समाज की ओर से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। अजीत प्रजापति अपनी अलौकिक छवि, अप्रतिम कार्यशैली एवं कुशल नेतृत्व के लिए जौनपुर सहित पूरे प्रदेश में विशेष पहचान रखते हैं। उनके नालासोपारा आगमन पर प्रजापति समाज के सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य महानुभावों ने उत्साहपूर्वक उनका स्वागत किया।

समारोह के दौरान समाज के विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रजापति समाज को शिक्षा, व्यवसाय, सामाजिक सेवा एवं राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय रूप से आगे आना होगा। समाज की एकता और एकजुटता ही समाज की प्रगति का आधार है। सभी ने समाज और देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया।

प्रमुख अतिथि अजीत प्रजापति ने अपने संबोधन में समाज की विभिन्न सामाजिक कुरीतियों, राजनीतिक भागीदारी, सामाजिक जागरूकता एवं एकजुटता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने समाज के लोगों से आपसी भाईचारा मजबूत करने, शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा समाज और राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने भव्य स्वागत एवं सम्मान के लिए अखिल प्रजापति कुम्भकार समाज के सभी पदाधिकारियों एवं उपस्थित समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अखिल प्रजापति कुम्भकार समाज (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रमेश प्रजापति, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजबहादुर प्रजापति, संस्थापक-राष्ट्रीय मुख्यमहासचिव रमेश प्रजापति, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिलीप प्रजापति, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य दिलीप प्रजापति एवं राजेन्द्र प्रजापति, राष्ट्रीय संयोजक संजय प्रजापति, रामकिशन प्रजापति, दीपक प्रजापति, अजय प्रजापति (प्रधानाचार्य), मुंबई संयोजक नागेन्द्र प्रजापति, उत्तरशक्ति के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, जितेंद्र प्रजापति (वाराणसी), मिथ्थुन प्रजापति, दिलीप प्रजापति, एडवोकेट राहुल प्रजापति, धर्मराज प्रजापति, बाबा प्रजापति, रामजनम प्रजापति, विजय प्रजापति सहित समाज के अनेक गणमान्य महानुभाव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी समाज बंधुओं ने सामाजिक एकता, शिक्षा, संगठन एवं समाज के सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। उत्साहपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में भव्य स्वागत समारोह का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

घाटकोपर में गुस्से से देखने की बात पर हत्या, एक घायल

7 आरोपियों को किया गिरफ्तार, 24 सितंबर तक पुलिस हिरासत

मुंबई। घाटकोपर के कामराजनगर इलाके में गुस्से से देखने के कथित विवाद को लेकर एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। इस मामले में पंतनगर पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को आगामी 24 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान रौनक बालू सोनवणे, आकाश सुभाष सोनवणे, अश्विन गणेश उनवणे, श्रेयस अजय शुक्ला, बबलू और स्टीफन सेगल नाडर उर्फ अण्णा के रूप में हुई है। इस मामले में पंतनगर पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह घटना कामराजनगर स्थित बीएमसी स्कूल के पास, सेवन स्टार स्पोर्ट्स क्लब गणपति मंडल के सामने हुई। पुलिस के मुताबिक, सेवन स्टार स्पोर्ट्स क्लब मंडल के कार्यकर्ता विनय शर्मा ने आरोपी रौनक सोनवणे की ओर गुस्से से देखा, ऐसा रौनक को गलतफहमी हुई। इसी बात को लेकर रौनक ने विनय शर्मा को थप्पड़ मार दिया।

इसके बाद सेवन स्टार स्पोर्ट्स क्लब मंडल के अध्यक्ष राजेश राजेंद्रन देवेंदर आरोपी से इस घटना का जवाब पूछने गए। इसी दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर राजेश देवेंदर की छाती में चाकू घोंप दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं, घटना के दौरान मौजूद आनंद तिवारी की कमर पर भी वार किया गया, जिससे वह घायल हो गए। मामले की शिकायत दीप्ती राजू पिल्लई ने दर्ज कराई है। आरोपी और शिकायतकर्ता दोनों कामराजनगर इलाके में रहते हैं। मामले की जांच पंतनगर पुलिस कर रही है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक लता सुतार ने घटना की जानकारी दी।

सौरभ यादव बने उपनिरीक्षक गोपनीय, सीएम योगी ने सौंपा नियुक्ति पत्र

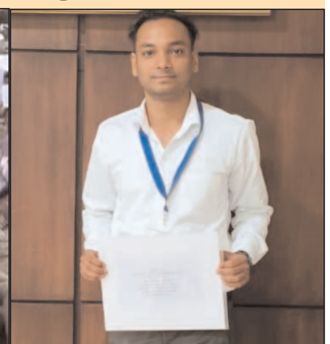

जौनपुर/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोक भवन में आयोजित एक गरिमामयी कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग के 912 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर जनपद जौनपुर के ईशापुर मोहल्ला निवासी सुभाष चन्द्र यादव के सुपुत्र सौरभ यादव का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस में 'उपनिरीक्षक (गोपनीय)' के पद पर हुआ है। विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि वाराणसी मण्डल से इस पद पर कुल 2 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है और दोनों ही अभ्यर्थी जौनपुर जिले से ही संबंधित हैं।

सौरभ यादव एक अत्यंत साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता सुभाष चंद्र यादव आईटीआई में कार्यरत थे। उनके परिवार में कुल पाँच संतानें हैं, जिनमें सौरभ यादव सबसे छोटे हैं। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद सौरभ ने अपने सपनों से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने अपनी पढ़ाई एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी घर पर रहकर ही पूरी की। अपनी दैनिक आवश्यकताओं और पढ़ाई का खर्च स्वयं वहन करने के लिए वे बच्चों को ट्यूशन भी पढ़ाया करते थे। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बीच भी उन्होंने निरंतर कठिन परिश्रम, अनुशासन, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के साथ अपनी तैयारी जारी रखी तथा कभी अपनी मेहनत और लगन को कम नहीं होने दिया। इससे पूर्व भी उनका चयन UPSSSC जूनियर असिस्टेंट, UPSSSC स्टेनोग्राफर तथा लोअर पीसीएस की मुख्य परीक्षा हेतु हो चुका है, जिनकी अंतिम चयन प्रक्रिया अभी शेष है। सौरभ यादव अपनी इस शानदार सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता, परिवारजनों, आदरणीय गुरु कृपाशंकर दुबे, अपने मित्रों तथा शुभचिंतकों को देते हैं, जिनके मार्गदर्शन, सहयोग और प्रेरणा ने उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुँचने का संबल प्रदान किया है।

मिजार्पुर कांग्रेस जिलाध्यक्ष का मुंबई में भव्य स्वागत

मुंबई, 20 सितंबर 2026। मुलुंड पश्चिम स्थित 81 कांग्रेस कार्यालय में मिजार्पुर (उत्तर प्रदेश) के कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. एडवोकेट शिवकुमार पटेल, निखिल सिंह एवं मनोज सिंह का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में डॉ. आर.आर. सिंह, डॉ. सचिन सिंह तथा उनके सहयोगियों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर कांग्रेस उत्तर-पूर्व जिला अध्यक्ष केतन शाह, डॉ. आर.आर. सिंह, डॉ. सचिन सिंह, जावेद चौगुले, मनोज राजभर, डॉ. आर.एम. पाल, एडवोकेट शरीफ खान, राजबहादुर गुप्ता, राजेंद्र उठवाल, मैथ्यू चेरियन, भोजराज सिंह, अनिल सिंह, राजेश सिंह, नरेंद्र सिंह, जगदीश ठाकुर, जितेंद्र शर्मा, भोला सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान डॉ. आर.आर. सिंह एवं डॉ. सचिन सिंह ने मिजार्पुर और चुनार की ऐतिहासिक एवं सामाजिक विशेषताओं पर चर्चा करते हुए कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। वहीं, केतन शाह ने मुंबई में उत्तर भारतीय समाज को एकजुट करने तथा संगठन को मजबूत बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम आपसी संवाद, संगठनात्मक मजबूती और सामाजिक एकजुटता के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

सोते पत्रकार की तस्वीर लेने और कथित तौर पर एडिट करने की चर्चा, साक्ष्य सुरक्षित कराने की जरूरत

मीडिया टूर में डिजिटल मर्यादा पर सवाल

वाराणसी। तमिलनाडु में हाल ही में सम्पन्न मीडिया टूर से जहां काशी के पत्रकारों को दक्षिण भारत की संस्कृति, विरासत और विकास को करीब से समझने का अवसर मिला, वहीं इसी दौरान सामने आई एक घटना ने पत्रकारिता के आचार-विचार और डिजिटल मर्यादा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला किसी एक व्यक्ति के नाम तक सीमित करने के बजाय अब इस बात की चर्चा का विषय बन गया है कि मीडिया यात्राओं और सामूहिक कार्यक्रमों में शामिल लोगों के आचरण के लिए प्रभावी व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए।

सूत्रों के अनुसार, मीडिया टूर में शामिल एक व्यक्ति रात के समय एक वरिष्ठ पत्रकार के होटल के कमरे में पहुंचा। आरोप है कि उस समय वरिष्ठ पत्रकार के विश्राम करने के दौरान उनकी तस्वीर बिना अनुमति के ले ली गई। तस्वीर लिए जाने की जानकारी होने पर वरिष्ठ पत्रकार ने तत्काल आपत्ति जताई। बताया जाता है कि संबंधित व्यक्ति ने इसे मजाक बताते हुए तस्वीर डिलीट करने की बात कही। मामला यहीं समाप्त नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार बाद में कुछ पत्रकारों के बीच एक ऐसी तस्वीर की चर्चा हुई, जिसमें मूल तस्वीर को डिजिटल माध्यम से बदलकर आपत्तिजनक स्वरूप दिए जाने की बात सामने आई। हालांकि तस्वीर अभी सार्वजनिक नहीं हुई है और इस संबंध में सामने आए विवरणों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। जिन लोगों द्वारा तस्वीर देखे जाने की बात कही जा रही है, उनकी जानकारी भी फिलहाल मौखिक है।

घटना को लेकर अब सबसे बड़ा सवाल डिजिटल सामग्री के संभावित दुरुपयोग और उसके भविष्य में प्रसार की आशंका का है। यदि किसी व्यक्ति की अनुमति के बिना उसकी तस्वीर लेकर उसमें डिजिटल छेड़छाड़ की जाती है, तो महज उसे मजाक कहकर छोड़ देना पर्याप्त है या नहीं, यह गंभीर विचार का विषय है। सूत्र बताते हैं कि घटना के संबंध में पुलिस को सूचना देने और उपलब्ध साक्ष्यों को सुरक्षित कराने की तैयारी की जा रही है। विशेष रूप से होटल के कॉरिडोर और कमरे के बाहर लगे उउळश कैमरों की रिकॉर्डिंग महत्वपूर्ण हो सकती है। इससे यह पता लगाने में मदद मिल सकती है कि संबंधित व्यक्ति किस समय कमरे के आसपास पहुंचा और कितनी देर वहां रहा। हालांकि उउळश अपने आप तस्वीर खींचे जाने या डिजिटल एडिटिंग को प्रमाणित नहीं करता; उसके साथ अन्य साक्ष्यों की भी आवश्यकता होगी।

इस घटनाक्रम ने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है–क्या प्रेस की पहचान रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति पत्रकारिता की मर्यादा के प्रति भी जवाबदेह नहीं होना चाहिए? पत्रकारिता का आधार सार्वजनिक विश्वास है। किसी सहकर्मी की निजता, प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत गरिमा का सम्मान उसी विश्वास का हिस्सा है। मीडिया टूर में शामिल होने के लिए संस्थागत पहचान, परिचय अथवा किसी संगठन से जुड़ाव महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण आचरण है। यदि भविष्य में जांच से डिजिटल तस्वीर के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो मामला केवल व्यक्तिगत विवाद नहीं रहेगा, बल्कि मीडिया संस्थानों और आयोजकों के सामने भी आचार-संहिता लागू करने का प्रश्न खड़ा करेगा।

मजाक की सीमा कहां खत्म होती है?

पत्रकारिता जगत में आपसी हंसी-मजाक सामान्य बात है, लेकिन किसी की अनुमति के बिना निजी तस्वीर लेना और फिर उसके साथ डिजिटल प्रयोग करना–यदि ऐसा हुआ है–तो इसे मजाक की सामान्य श्रेणी में रखे जाने पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सूत्रों के अनुसार, इसी कारण संबंधित वरिष्ठ पत्रकार घटना का रिकॉर्ड सुरक्षित रखना चाहते हैं, ताकि भविष्य में यदि तस्वीर या उसका कोई परिवर्तित रूप सार्वजनिक होता है तो यह स्पष्ट रहे कि घटना की जानकारी पहले ही संबंधित स्तर पर दी जा चुकी थी।

संस्थाओं के लिए भी सबक

घटना ने मीडिया टूर आयोजित करने वाली संस्थाओं के सामने भी कुछ बुनियादी सवाल रखे हैं। क्या प्रतिभागियों के लिए स्पष्ट आचार-संहिता होनी चाहिए? क्या निजी कमरों और व्यक्तिगत डिजिटल सामग्री की गरिमा को लेकर लिखित निर्देश दिए जाने चाहिए? और यदि किसी प्रतिभागी के खिलाफ गंभीर शिकायत सामने आती है तो उसकी निष्पक्ष जांच के लिए स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए? इन सवालों का उत्तर किसी व्यक्ति विशेष को दोषी ठहराकर नहीं, बल्कि पारदर्शी जांच और प्रमाणों के आधार पर ही निकाला जा सकता है। फिलहाल घटना से जुड़े सभी दावों की स्वतंत्र पुष्टि बाकी है। इसलिए संबंधित व्यक्ति की पहचान सार्वजनिक करना या उसके खिलाफ किसी अपराध का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। लेकिन घटना की सूचना, उपलब्ध उउळश और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को समय रहते सुरक्षित रखना भविष्य की किसी भी जांच के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। पत्रकारिता की गरिमा अंततः इसी कसौटी पर टिकी है कि कैमरे और कलम के पीछे खड़ा व्यक्ति दूसरों की निजता और सम्मान का कितना सम्मान करता है।

रामबिलास पाठक के निवास पर गणपति दर्शन हेतु पहुंचे गणमान्य

मुंबई। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा, मुंबई के उपाध्यक्ष रामबिलास पाठक एवं चित्रसेन पाठक के हीरानंदानी स्थित निवास पर स्थापित गणपति बप्पा की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात श्री सत्यनारायण भगवान की पूजा एवं सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अनेक गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर गणपति बप्पा के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किए। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार बृजमोहन पांडेय, नगरसेवक प्रतिनिधि डॉ. रविंद्र म्हस्के, वरिष्ठ पत्रकार आदित्य द्विवेदी, श्रीरामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र मिश्रा, महाकवि पंडित त्रिफला, भाजपा उभामों चांदीवली विधान सभा अध्यक्ष सुरेंद्र यादव,जेएमडी ग्रुप के चेयरमैन हरीश पांडेय, भाजपा जिला महामंत्री शुभ्रांशु दीक्षित, भाजपा नेता मनोज दुबे, कांग्रेस नेता चंद्रेश दुबे, भवन निमार्ता बुलट सिंह, एडवोकेट जयप्रकाश शेट्टी, महिला मोर्चा अध्यक्ष संध्या पाठक, वीरेंद्र दुबे, देवेंद्र प्रताप सिंह,सीए नेहा अग्रवाल, अरविंद शुक्ला, दिनेश सिंह, पत्रकार एवं विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र आदेश मिश्र एवं आचार्य सर्वेश शुक्ला सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने श्री गणपति बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा आयोजकों को धार्मिक आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

राशन दुकानदार से एक लाख की रंगदारी मांगने वाला गिरफ्तार

मुंबई। शिवाजीनगर-गोवंडी इलाके में एक राशन दुकानदार से दुकान के कथित कालाबाजारी की शिकायत राशनिंग अधिकारियों से नहीं करने के एवज में एक लाख रुपये की रंगदारी मांगने और रकम का कुछ हिस्सा स्वीकार करने के आरोप में देवनार पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जेन नफीज हैदर सैयद के रूप में हुई है। पुलिस उसके छह अन्य कथित साथियों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी और उसके साथियों ने शिकायतकर्ता से राशन की दुकान चालू रखने तथा दुकान में कथित रूप से हो रही अनियमितता/कालाबाजारी की शिकायत राशनिंग अधिकारियों से नहीं करने के लिए एक लाख रुपये की मांग की थी। शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने 17 सितंबर को 50 हजार रुपये स्वीकार किए थे। इसके बाद शेष रकम देने के लिए कथित तौर पर धमकी दी गई। शेष रकम की दोबारा मांग किए जाने पर शिकायतकर्ता ने देवनार पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाया। आरोपी द्वारा 25,500 रुपये स्वीकार करने के बाद वहां से फरार होने की तैयारी के दौरान पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने उसके पास से रंगदारी के तौर पर ली गई 25,500 रुपये की रकम बरामद की है। इस मामले में देवनार पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(5) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर उसके अन्य छह कथित साथियों की तलाश कर रही है।

समय पर पुनर्भुगतान करने वाले ग्राहकों के लिए गोल्ड रिवार्ड पहल

रांची। आरबीआई में पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई डीजेटी माइक्रोफाइनेंस ने अपने संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) ग्राहकों के बीच जिम्मेदारी भरे पुनर्भुगतान व्यवहार की पहचान करने के लिए ह्यगोल्ड रिवार्डह्ण पहल की घोषणा की है। बिना किसी देरी के समय पर माइक्रोफाइनेंस ऋण का पुनर्भुगतान करने वाले पात्र ग्राहकों को भुगतान की गई ब्याज की रकम के 2 प्रतिशत के बराबर गोल्ड रिवार्ड मिलेगा। यह पहल उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, असम और पश्चिम बंगाल में लागू की जा रही है। डीजेटी माइक्रोफाइनेंस, लागू रिवार्ड राशि के आधार पर पात्र ग्राहकों की ओर से सोने की खरीद कर उनका आबंटन करेंगी। ग्राहकों के पास भौतिक रूप में या एक डीमैट एकाउंट के जरिए आबंटित सोने को भुनाने का विकल्प होगा।

16 वर्षों से प्रतिभाओं को तराशने का काम कर रहे है डॉ. राजेन्द्र कुमावत

0-प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को मिलता है मौका और मंच, विजेताओं को सम्मान
0- आपणो चिराणो को नई पहचान देने की एक अनूठी पहल

कहा गया है कि जब प्रतिभा को तराशने और कला की कद्र करने वाले कद्रदान मिल जाते हैं,तो कला में निखार आता है और तराशने से यश और गौरव भी प्राप्त होता है। इसी पुनीत भावना को अपने मन में आत्मसात करते हुए चिराणा के एक शख्स ने पिछले करीब 16 वर्षों से विद्यार्थियों और समाज के बीच प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा हौसला अफजाई के साथ ही उन्हें सम्मान देने का जो सिलसिला शुरू किया था, वह आज एक प्रेरक पहल बनता नजर आ रहा है।

अपनी धुन के धनी और उत्प्रेरक का काम करने वाले डॉ. राजेन्द्र कुमावत कोई परिचय के मोहताज नहीं है।बचपन से ही इनकी भावना सार्थक व परिणाम देने वाले पुनीत कार्यों से जुड़ी है। धार्मिक कार्यों में इनकी गहरी रुचि है तो वही जरूरत मंदो की सेवा करने में भी पीछे नहीं हटते हैं,अपनी योग्यता के अनुसार कुछ देते ही रहे हैं।उनका मानना है कि धन की शुद्धि दान से होती है लिहाजा हमें अपनी गाढ़ी कमाई में से भी कुछ अंश धर्म के मार्ग पर लगने चाहिए वो विकास के कार्यों में सहयोग करना चाहिए।

आपको बता दे 20 साल जोधपुर सहित 2 जिलों में नौकरी करने के बाद अब अपने गृह जिला के ब्लॉक उदयपुरवाटी में वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे है। आयुर्वेद चिकित्सा में आपका नाम है ही अंशकालिक लेखक के रूप में भी आपके लेख विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में पब्लिश होते रहें है।सैकड़ों प्रकाशित रचनाओं का कलेक्शन तो आज भी आपके पास फाइल बनाकर सुरक्षित है।आप दो विषयों में स्नातक डिग्री हासिल की है। आपको बता दे कि कुछ नया करने की चाहत में आप हरदम मशगूल रहे हैं, और सेवा भाव का जज्बा देखने को मिला है। मिली जानकारी के अनुसार डॉ.राजेन्द्र कुमावत वर्ष 2011 से विभिन्न स्थानों की सरकारी विद्यालयों एवं गैर सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक मंचों के माध्यम से एवं स्वास्थ्य शिक्षा के जरिए विभिन्न मंचों पर प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों तथा स्वास्थ्य संबंधी विषय परक जानकारी के जरिए विद्यार्थियों और नई पीढ़ी को जागरूक एवं प्रोत्साहित करने का कार्य आज भी कर रहे हैं।

उनकी यह पहल केवल प्रतियोगिता आयोजित करने तक सीमित नहीं है। समय समय पर विद्यार्थियों को स्वास्थ्य परक जानकारी,बेहतर स्वास्थ्य के लिए उपयोगी टिप्स और सामाजिक जागरूकता से जुड़ी जानकारियां भी दी जाती रही हैं।उनके प्रयासों के पीछे की भावना को यदि उनके ही शब्दों में देखा जाए तो यह ह्लपहला सुख निरोगी कायाह्व की सोच को सार्थक बनाते हुए सेहत का सफरनामा नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास भी है।

ज्ञान का दीप प्रज्वलित करने जैसा पुनीत प्रयास और परामर्श से लेकर स्वास्थ्य संरक्षण हेतु किए गए प्रयास काबिले गौर है।प्रतियोगिताओं के माध्यम से बुद्धि परखने का और नूतन ज्ञान बढ़ाकर अपने आपको अपडेट करने का आपके पास व्यापक दायरा है और सिफत भी।

डॉ. राजेन्द्र कुमावत द्वारा आयोजित की जाने वाली गतिविधियों में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता,धार्मिक प्रश्नोत्तरी, स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी,भाषण प्रतियोगिता,कक्षा में अव्वल स्थान आने पर, कला के क्षेत्र में अपने फन का जलवा दिखाने सहित विभिन्न प्रकार की और भी कई प्रतियोगिताएं उनके विचारों में आज भी शुमार है।

इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलता है। प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं सम्मान देकर उनका उत्साह बढ़ाया जाता है, ताकि उनमें सीखने, आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को और निखारने की भावना बनी रहे।

प्रतियोगिता से आगे, सम्मान की परंपरा

डॉ. राजेन्द्र कुमावत की पहल की सबसे खास बात यह है कि वे केवल प्रतियोगिता आयोजित करवाकर परिणाम घोषित करने तक सीमित नहीं रहते। विजेताओं और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मौके पर ही सबके समक्ष सम्मानित करना उनके प्रयास का महत्वपूर्ण हिस्सा है,क्योंकि ऐसा होता देख स्वतः ही प्रतिस्पर्धा के भाव पैदा होने लगते हैं।

समय-समय पर अलग-अलग क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को भी सम्मानित कर वे समाज में सकारात्मक कार्यों के महत्व को ऊंचा करते हैं, किए गए सत्कर्मों को प्रोत्साहित करते रहे हैं।

उनकी सोच है कि किसी व्यक्ति की प्रतिभा और अच्छे कार्य को पहचानकर उसे सार्वजनिक रूप से सम्मान देना सच माने तो उसके आत्मविश्वास को बढ़ाता है और समाज के दूसरे लोगों को भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

मोमेंटो पर आपणो चिराणो – सम्मान के साथ गांव की पहचान भी

डॉ. राजेन्द्र कुमावत की इस पहल में एक और खूबसूरत पहल जुड़ गई है, जो चिराणा के प्रत्येक व्यक्ति के लिए गर्व की बात हो सकती है।चिराना को छोड़कर अन्य स्थानों से आने वाले लोगों का जब इस धरा पर सम्मान किया जाता है, तो सच मानिए आपको लगने लगेगा कि रियल में मैने आज कोई पुण्य का काम किया गया है। इस पुण्य कार्य को कुछ नया करने की नियत से सम्मानित किए जाने वाले लोगों को दिए जाने वाले मोमेंटो पर ह्यआपणो चिराणोह्ण का लोगो लगवा रहे हैं। यह केवल एक लोगो नहीं, बल्कि अपने गांव के प्रति जुड़ाव, प्रेम और पहचान को आगे बढ़ाने का एक जरिय है।

जब ये मोमेंटो अलग-अलग विद्यालयों, संस्थानों और लोगों तक पहुंचेंगे, तो उनके साथ चिराणा का नाम और आपणो चिराणो की पहचान भी दूर तलक पहुंचेगी।

एक तरह से देखा जाए तो डॉ. राजेन्द्र कुमावत एक साथ दो कार्य कर रहे हैं–एक ओर प्रतिभाओं का सम्मान और दूसरी ओर अपने गांव की पहचान को मजबूत करने का प्रयास। चिराणा के बेटे के रूप में इनके इस प्रयास को देखकर कहना गलत नहीं होगा कि आपकी यह पुनीत एवं सार्थक सोच निश्चित रूप से नमन के योग्य है। यदि समाज में इसी तरह अपनी जड़ों से जुड़े रहकर दूसरों की प्रतिभा और उपलब्धियों की सुध लेने वाले लोग आगे आते रहें, तो गांव की पहचान और विकास को नई दिशा मिल सकती है।

डेढ़ दशक से जारी है प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का सिलसिला

करीब 16-17 वर्षों से लगातार चल रहा यह प्रयास बताता है कि समाज में सकारात्मक बदलाव केवल बड़े आयोजनों से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे प्रयासों को निरंतर जारी रखने से आता है।

डॉ. राजेन्द्र कुमावत ने अपनी सरकारी सेवा और चिकित्सकीय जिम्मेदारियों के साथ-साथ विद्यार्थियों को मंच देने, प्रतिभाओं को पहचानने, स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता की जानकारी देने तथा समाज में सकारात्मक कार्य करने वालों को सम्मानित करने की जो परंपरा बनाई है, वह निश्चित रूप से उल्लेखनीय है।

प्रतियोगिताओं के जरिए प्रतिभाओं को अवसर, पुरस्कारों के जरिए प्रोत्साहन, स्वास्थ्य जागरूकता के जरिए नई पीढ़ी को संदेश और आपणो चिराणो के जरिए गांव को पहचान–डॉ. राजेन्द्र कुमावत की यह पहल पिछले 16 वर्षों से इसी सकारात्मक सोच को आगे बढ़ा रही है।

चिराणा के इस बेटे की सोच को सलाम

क्योंकि प्रतिभा को पहचान मिलती है तो हौसले बढ़ते हैं,

और जब सम्मान के साथ गांव का नाम जुड़ता है तो पहचान दूर तक जाती है।

–सौरभ पारीक चिराना,फ्री लांसर